मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | जबलपुर, गुरूवार 05 नवंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-35, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

दीपावली पर सभी व्यवस्थाएं रहें चाक-चौबंद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जिले में खाद-उर्वरक की किल्लत हुई, तो कलेक्टर्स होंगे जिम्मेदार

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी लोग दीपावली हर्ष और आनंद से मनायें, परंतु कहीं भी किसी भी प्रकार का असामाजिक काम न हों। इसके लिए पुलिस और प्रशासन कानून व्यवस्था की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीपावली और किसानों के लिए महत्वपूर्ण समय है। दीपावली पर्व और किसानों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए प्रदेश का पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर रहे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद-उर्वरक या अन्य किसी प्रकार की कठिनाई आई तो इसके लिए कलेक्टर्स जिम्मेदार माने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे।



छोटे व्यापारियों को तहबाजारी से छूट दें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स एवं एसपी से कहा कि दीपावली के दौरान अवैध एवं प्रतिबंधित पटाखों का उपयोग न होने पाए। मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के उपयोग पर भी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान बड़े बाजारों में फल, फूल, दिया-बाती, झालर जैसी दुकानें लगाने वाले छोटे दुकानदारों को तहबाजारी से छूट दी जाएं। उन्हें अनावश्यक परेशान न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के अधिकारी दीपावली के दिन छोटे-छोटे बच्चों, गरीब बस्तियों, अनाथालय और वृद्धाश्रम में जाकर उनके साथ दीपावली मनायें।

धनतेरस के दिन अपने जिले में शत-प्रतिशत रजिस्ट्री कराये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्लाट और मकान के कच्चे पट्टे धारकों की पक्की रजिस्ट्री कराकर उन्हें निःशुल्क देने का अभियान चल रहा है। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे धनतेरस के दिन अपने जिले के अधिक से अधिक गांव में मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना (स्वामित्व रजिस्ट्री) की शत-प्रतिशत रजिस्ट्री कराने के लिए स्थानीय सांसद, विधायक के साथ जाएं और शत-प्रतिशत रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में रजिस्ट्री कराने में जिन पटवारियों एवं तहसीलदारों ने उल्लेखनीय कार्य किया है उन्हें आगामी 26 जनवरी को सम्मानित किया जाए। उनके काम का रिकार्ड रखा जाए और यह बड़ी उपलब्धि उनकी सर्विस बुक में भी इंद्राज की जाए।

अवैध शराब के विरूद्ध करें कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के अधिकारियों से कहा कि वे अपने जिले में अवैध शराब के उपयोग, निर्माण और परिवहन पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि जहरीली और नकली शराब बनाने वाले स्थानों को चिन्हित करें और ऐसे लोगों पर कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब विक्रय में एजेन्टी, पैकारी और डायरी व्यवस्था जैसे असामाजिक कार्यों को सख्ती से रोका जाएं। शराब का परिवहन करने वाले वाहनों का फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए। वैध लायसेंसी शराब की तय कीमत से अधिक कीमत न लें, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारी समय-समय पर मदिरा के नमूने भी लें और यदि उस मदिरा में मानव उपयोग के लिए हानिकारक तत्व पाए जाते हैं तो ऐसे लायसेंसी पर कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति उत्पन्न न हों, इसके लिए कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक और आबकारी अधिकारी मिलकर जिले में एक सुव्यवस्था स्थापित करें।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई

दो चार्टर्ड विमान सहित अनिल अंबानी की 510 करोड़ की संपत्ति कुर्क

एजेन्सी, नई दिल्ली



ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 510 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें दो निजी विमान भी शामिल हैं। ईडी ने इसकी जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, यह कार्रवाई रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप से जुड़ी कंपनियों पर बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ धोखाधड़ी के मामलों में की गई है। संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन निवारण कानून के तहत अस्थायी आदेश जारी किया गया है। आरकॉम मामले में ईडी ने दो चार्टर्ड विमानों, महाराष्ट्र में छह प्लाट और ऑफिस कैंपस को कुर्क किया है। कुर्क किए विमानों में डसॉल्ट फाल्कन 2000 और एम्ब्रेयर शामिल हैं। आरएचएफएल और आरसीएफएल से जुड़े मामले में तमिलनाडु की दो पवन चक्कियां, बैंक खातों में जमा रकम, सावधि जमा और निवेश को कुर्क किया गया है।

खनिजों पर पीएम मोदी का बड़ा दांव

भारत को दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए

एजेन्सी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक गाड़ियां, मोबाइल, बैटरी और रक्षा उपकरणों का भविष्य उन खनिजों पर निर्भर है, जिनकी जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इनमें लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे खनिज सबसे अहम हैं। भारत में इन खनिजों की जरूरत तो बढ़ रही है, लेकिन इन्हें साफ करके उपयोग लायक बनाने के लिए देश अब भी दूसरे देशों पर काफी निर्भर है। ऐसे में सवाल है कि क्या भारत भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर बन पाएगा? केंद्र सरकार ने इसी दिशा में बड़ा कदम उठाया है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसका नाम ह्यमहत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता योजनाह्ल रखा गया है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए लागू होगी। इसके तहत देश में लिथियम और निकेल के प्रसंस्करण के लिए चार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मकसद इन खनिजों को देश में ही साफ करके उच्च गुणवत्ता वाले पदार्थों में बदलना है, ताकि आयात पर निर्भरता घटे और भारत भविष्य की तकनीक बनाने की अपनी क्षमता बढ़ा सके।

लिथियम, निकेल और कोबाल्ट ऐसे खनिज हैं, जिनका इस्तेमाल कई आधुनिक तकनीकों में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में इनकी अहम भूमिका है।

राहुल गांधी को केंद्रीय वित्त मंत्री की दो-टूक

'सोशल मीडिया पर नहीं, संसद में आइए': एसआईआर और ईवीएम पर हो जाए आर-पार की बहस : निर्मला सीतारमण

एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एसआईआर और ईवीएम के मुद्दे पर संसद में खुली बहस करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सोशल मीडिया पर बयानबाजी और चुनौती देने के बजाय संसद में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। सीतारमण ने यह भी याद दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही इन मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कह चुके हैं।

राहुल गांधी को संसद में बहस करने की चुनौती

निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहस के लिए जगह चुनने की चुनौती दे रहे हैं, जबकि बहस के लिए संसद से बेहतर जगह और क्या हो सकती है? राहुल गांधी खुद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। ऐसे में उन्हें सोशल मीडिया पर चुनौती देने के बजाय सदन में चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि अमित शाह ने एक दिन पहले ही रक्षफायनी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और एसट पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की पेशकश की थी। अगर राहुल गांधी बहस को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें अपने तथ्य और सबूत लेकर सदन में आना चाहिए। साथ ही दूसरों की बात भी धैर्य से सुननी चाहिए।



संसद से विपक्ष के वॉकआउट पर उठाए सवाल

सीतारमण ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब भी सरकार उनके लगाए आरोपों का जवाब देने लगती है, तब वे सदन से बाहर चले जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब राहुल गांधी दूसरे पक्ष की बात सुनने के लिए सदन में रुकते ही नहीं हैं, तो फिर बहस की इच्छा जताने का क्या मतलब है? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ-साथ विपक्षी गठबंधन इंडिया के सहयोगी दल भी कई बार संसद की कार्यवाही में बाधा डालते हैं। इसके चलते कई बार पूरे दिन की कार्यवाही बिना किसी कामकाज के खत्म हो जाती है। अगर विपक्ष सच में मुद्दों पर चर्चा चाहता है तो उसे पहले संसद को ठीक से चलने देना चाहिए।

खड़गे के घर मॉक पार्लियामेंट पर भी तंज

वित्त मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हाल ही में आयोजित मॉक पार्लियामेंट को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस कार्यक्रम को मॉक पार्लियामेंट बताया, वह असल में संसद का मजाक उड़ाने जैसा था। सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी को इस कार्यक्रम के लिए समय और उत्साह मिल गया, लेकिन असली संसद में चर्चा करने के लिए भी उन्हें उतनी ही दिलचस्पी दिखानी चाहिए। उनके मुताबिक, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात करने वालों को संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान अपने व्यवहार में भी दिखाना चाहिए।

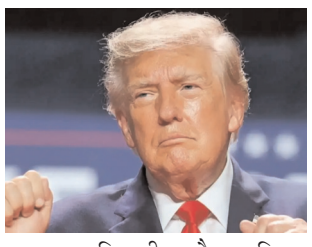
आरोप लगाने के बजाय सबूत पेश करें राहुल

सीतारमण ने राहुल गांधी से कहा कि अगर उन्हें सरकार या किसी संस्था से जुड़ी कोई शिकायत है तो वे साफ-साफ आरोप लगाएं और उसके समर्थन में सबूत भी पेश करें। उन्होंने कहा कि बिना ठोस प्रमाण के एक के बाद एक आरोप लगाने से किसी की बात मजबूत नहीं होती। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से गंभीरता और जिम्मेदारी की उम्मीद की जाती है। ऐसे में राहुल गांधी को अपनी बात तथ्यों के साथ रखनी चाहिए।

पहले मुस्लिम सीनेटर बनेंगे अब्दुल अल-सैयद

डोनाल्ड ट्रम्प दोनों सदनों में मिडटर्म इलेक्शन हारे, डेमोक्रेट्स को बहुमत

एजेन्सी, नई दिल्ली



ईरान को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले, नॉर्वे को गाली देने वाले और अपने लिए नोबल पीस प्राइज मांगने वाले ट्रम्प अमेरिकी मिडटर्म चुनाव हार गए।

ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत गंवा दिया। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स को अमेरिका की जनता खासकर महिलाओं ने भर-भर के वोट दिए।

ट्रम्प की हार के साथ मिशिगन से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल सैयद की चर्चा भी दुनिया भर में हो रही है। ट्रम्प ने अब्दुल को खुले मंच से 'जिहादी' कहा था। अब वे अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। 25 अक्टूबर को मिशिगन में एक चुनावी रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा था मैं यहां एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आया हूं।

हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 228 सीटें जबकि ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 139 सीटें जीती हैं।

सीनेट- सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है।

3.18 लाख अग्निवीरों का कार्यकाल 2 साल बढ़ा

अग्निवीर अब 4 नहीं, 6 साल नौकरी करेंगे: 25% पहले जैसे परमानेंट होंगे

एजेन्सी, नई दिल्ली

अग्निवीर अब चार की बजाय छह साल तक सेना में नौकरी कर सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इसका फायदा उन 75% अग्निवीरों को मिलेगा, जिन्हें पहले चार साल बाद सेवा छोड़नी पड़ती थी।

अभी हर बैच के 25% अग्निवीरों को चार साल बाद मेरिट के आधार पर नियमित सेना में शामिल किया जाता है। बाकी 75% को सेवा से बाहर होना पड़ता है। नए नियम में 25% अग्निवीरों को नियमित करने का पुराना नियम जारी रहेगा। बाकी 75% को उनकी सहमति से दो साल और नौकरी करने का मौका मिलेगा। इस दौरान उन्हें बढ़ी हुई सैलरी और भत्ते भी मिलेंगे।

छह साल बाद भी सेना में नौकरी करने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। फिलहाल तीनों सेनाओं में करीब 3.18 लाख अग्निवीर सेवा दे रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों का चार साल का कार्यकाल पूरा होने वाला है। ये पहले बैच में भर्ती हुए 24,400 अग्निवीरों का करीब 75% हैं।



पहले तय योजना के मुताबिक नवंबर के मध्य से 75% अग्निवीरों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से बाहर किया जाना था। नई व्यवस्था के तहत अब इन्हें दो साल का अतिरिक्त समय मिलेगा। यह सेवा विस्तार अग्निवीरों की सहमति से होगा।

एयरफोर्स ने पहले बैच के 712 अग्निवीरों को परमानेंट किया

पिछले महीने एयरफोर्स ने अपने पहले अग्निवीर बैच के 2,850 रिक्रूट्स में से 712 को नियमित सेवा में बनाए रखने का फैसला किया था।

अब चार साल की सेवा पूरी करने के बाद बाहर होने वाले 75% अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का फैसला किया गया है। इसके बाद उन्हें नियमित सैनिक बनने का एक और मौका मिलेगा। चयन मेरिट के आधार पर होगा। जून 2022 में अग्निपथ योजना शुरू की गई थी। इसके तहत युवाओं को 4 साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता था। चार साल बाद अधिकतम 25% अग्निवीरों को नियमित कैडर में शामिल करने का प्रावधान था। बाकी 75% को सेवा से मुक्त होना था। नई व्यवस्था के मुताबिक, चार साल पूरे करने वाले शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा अवसर दिया

उम्र, योग्यता और चयन प्रक्रिया

अग्निपथ योजना 14 जून 2022 को शुरू हुई थी। इसके तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना में चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती की जाती है। भर्ती की प्रक्रिया और योग्यता तीनों सेनाओं में अलग-अलग होती है।

1. उम्र कितनी होनी चाहिए?

अग्निवीर भर्ती के लिए न्यूनतम उम्र 17 साल 6 महीने है। अधिकतम उम्र सामान्यतः थल सेना में 22 साल और नौसेना-वायुसेना में 21 साल होती है। अंतिम उम्र सीमा संबंधित भर्ती के नोटिफिकेशन से तय होती है।

2. कितनी पढ़ाई जरूरी है?

पद के अनुसार 8वीं, 10वीं या 12वीं पास होना जरूरी है। जनरल ड्यूटी और नौसेना मैट्रिक रिक्रूट (मैट्रिक रिक्रूट) के लिए सामान्यतः 10वीं, जबकि टेक्निकल, क्लर्क, ररफऔर वायुसेना के कई पदों के लिए योग्यता 12वीं चाहिए।

श्री गौरव गोयल के नेतृत्व में शिक्षा और करियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान बना रहा टॉपरैंकर्स, 480 लोगों को मिला रोजगार, 100 करोड़ की वार्षिक राजस्व रन रेट हासिल

भोपाल से शुरू हुआ टॉपरैंकर्स का सफर, आज 38 शहरों में बना रहा विद्यार्थियों के सपनों का भविष्य

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सपनों को साकार करने के लिए प्रतिभा के साथ सही मार्गदर्शन और अवसरों का मिलना भी जरूरी है। इसी सोच को साकार करते हुए भोपाल से शुरू हुआ टॉपरैंकर्स आज देशभर के विद्यार्थियों के लिए करियर निर्माण का एक सशक्त मंच बनकर उभरा है। श्री गौरव गोयल के नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही है, बल्कि उन्हें पारंपरिक करियर विकल्पों से आगे बढ़कर कानून, प्रबंधन, डिजाइन, वास्तुकला और न्यायिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भविष्य संवारने के अवसर भी प्रदान कर रही है। सही मार्गदर्शन से प्रतिभाओं को मिल रही नई दिशा टॉपरैंकर्स की शुरुआत इस उद्देश्य के साथ की गई कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और करियर मार्गदर्शन केवल महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे और मध्यम शहरों के विद्यार्थियों को भी समान अवसर मिलें। संस्थापक श्री गौरव गोयल ने महसूस किया कि देश के छोटे शहरों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बल्कि उन्हें सही मार्गदर्शन, संसाधनों और अवसरों की आवश्यकता है। इसी सोच के साथ टॉपरैंकर्स ने विद्यार्थियों की रुचि, क्षमता और करियर के लक्ष्यों के अनुरूप शिक्षा एवं प्रशिक्षण का एक प्रभावी मंच विकसित किया। टॉपरैंकर्स की विशेषता यह है कि यह विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उनके सामने करियर के नए आयाम भी खोलता है। इसके प्रमुख शैक्षणिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यार्थियों को कानून, प्रबंधन, डिजाइन, वास्तुकला और न्यायिक सेवाओं से संबंधित





प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की ऑनलाइन और ऑफलाइन तैयारी कराई जाती है। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप करियर चुनने तथा अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिल रहा है। टॉपरैंकर्स ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से महानगरों के साथ-साथ देश के छोटे और मध्यम शहरों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आज यह संस्थान देश के 38 शहरों में अपनी सेवाएं संचालित कर रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके अपने शहर में ही बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और करियर निर्माण के अवसर उपलब्ध कराना है। यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि सही दृष्टिकोण और प्रभावी कार्ययोजना के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर पर शुरू की गई पहल भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकती है। व्यावसायिक उपलब्धियों के साथ रोजगार सृजन में भी योगदान टॉपरैंकर्स की सफलता केवल शैक्षणिक विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने रोजगार सृजन और उद्यमिता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, संस्थान में लगभग 480 लोगों को रोजगार मिला है। स्टार्टअप अब तक ?27 करोड़ की फंडिंग प्राप्त कर चुका है और इसकी वार्षिक राजस्व रन रेट ?100 करोड़ तक पहुंच गई है। ये उपलब्धियां संस्थान की विकास यात्रा, कार्यक्षमता और शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते विश्वास को दर्शाती हैं। शिक्षा के माध्यम से सपनों को साकार करने का संकल्प श्री गौरव गोयल के नेतृत्व में टॉपरैंकर्स ने यह साबित किया है कि किसी स्टार्टअप की सफलता केवल कारोबार के विस्तार से नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने से भी मापी जाती है। शिक्षा को रोजगार और करियर निर्माण से जोड़ते हुए यह पहल हजारों विद्यार्थियों को अपनी क्षमता पहचानने और भविष्य के लिए बेहतर विकल्प चुनने में मदद कर रही है। भोपाल से शुरू होकर देश के 38 शहरों तक पहुंचा टॉपरैंकर्स आज मध्यप्रदेश की उद्यमशीलता, नवाचार और दूरदर्शी सोच का प्रेरक उदाहरण है। यह सफलता की ऐसी कहानी है, जिसमें एक उद्यम का विस्तार होने के साथ-साथ हजारों विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान मिल रही है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

कलेक्टर ने युवाओं एवं नागरिकों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का किया आह्वान

'नशा ही नाश की जड़ है' का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं सामूहिक प्रयासों से बनेगा नशामुक्त समाज : कलेक्टर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक बुराई है। 'नशा ही नाश की जड़ है' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाकर ही नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता पैदा की जा सकती है। इसी उद्देश्य से नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बुधवार को टीटी नगर स्टेडियम में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों को नशे से दूर रहने, मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा समाज में नशा मुक्ति का संदेश प्रसारित करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उसके पारिवारिक संबंधों, सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक स्थिति और भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। विशेष रूप से युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से बचाना आवश्यक है, ताकि वे अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग सकारात्मक कार्यों



एवं राष्ट्र निर्माण में कर सकें। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने कहा कि 'नशा ही नाश की जड़ है' केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने वाला महत्वपूर्ण संदेश है। नशे की शुरुआत व्यक्ति के जीवन को धीरे-धीरे प्रभावित करती है और इसका दुष्परिणाम पूरे परिवार को भुगतना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवारजनों तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण तैयार करना होगा। युवाओं को खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सही दिशा देना भी आवश्यक है। नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के प्रति जागरूक करना है। अभियान के माध्यम से नशे के विरुद्ध जनभागीदारी बढ़ाने, नशे की प्रवृत्ति को रोकने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं एवं नागरिकों ने नशे से दूर रहने, नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 'नशा ही नाश की जड़ है' के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें और नशे के विरुद्ध इस सामाजिक अभियान में सहभागी बनें, ताकि सामूहिक प्रयासों से स्वस्थ, सुरक्षित, सशक्त एवं नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

सड़क मरम्मत और पुनर्निर्माण के लंबित कार्य समय-सीमा में पूरे करें : अपर आयुक्त सिंह



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त (सिविल) अभिषेक सिंह ने बुधवार को निगम मुख्यालय अटल भवन में यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शहर में सड़क संधारण, मरम्मत और पुनर्निर्माण के प्रचलित एवं लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं और निधियों के तहत प्रस्तावित विकास कार्यों की औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें जल्द शुरू कराने को कहा। बैठक में कायाकल्प, एनकैप, मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना योजना, अमृत योजना सहित विधायक निधि और अन्य मदों से कराए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अपर आयुक्त ने स्वीकृत, लंबित और प्रस्तावित कार्यों की जानकारी लेते हुए अब तक शुरू नहीं हो सके कार्यों में देरी के कारण भी पूछे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क संधारण, मरम्मत और पुनर्निर्माण सहित सभी विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में मानक गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। अमृत योजना के तहत किसी कारण से रुके कार्यों की बाधाएं दूर कर उन्हें दोबारा शुरू कराया जाए। अपर आयुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी पीएमआईएस पोर्टल पर नियमित रूप से और समय पर अपडेट की जाए, ताकि कार्यों की निगरानी प्रभावी ढंग से हो सके। समीक्षा बैठक में अधीक्षण यंत्री आर.आर. जरोलिया सहित यांत्रिकी विभाग के सभी कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपक-2026 में गौहर महल में प्रदर्शित हो रही मल्टीलेयर स्टोन डस्ट पेंटिंग्स, अंशी उमरे ने मां से सीखी अनूठी कला

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पारंपरिक हुनर, रचनात्मकता और आधुनिक कलात्मक सोच का संगम इन दिनों भोपाल के गौहर महल में आयोजित दीपक-2026 हस्तशिल्प मेले में देखने को मिल रहा है। यहां विभिन्न हस्तशिल्प उत्पादों के बीच अंशी उमरे द्वारा तैयार की गई स्टोन डस्ट पेंटिंग्स लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही हैं। पत्थर के पाउडर और पेड़ों से प्राप्त गोंद के मिश्रण से तैयार की जाने वाली ये कलाकृतियां अपनी अनूठी बनावट और बहुस्तरीय डिजाइन के लिए विशेष पहचान रखती हैं। अंशी उमरे ने बताया कि उन्होंने यह कला अपनी मां से सीखी है। इस कला में लकड़ी की सतह पर विशेष मिश्रण से बने कोन्स की सहायता से डिजाइन तैयार किए जाते हैं। पेंटिंग्स को आकर्षक स्वरूप देने



के लिए कई परतों में काम किया जाता है। पूरी प्रक्रिया में डिजाइन की बारीकी और कलात्मकता के अनुसार लगभग 20 से 25 दिन तक का समय लग सकता है। उन्होंने बताया कि स्टोन डस्ट पेंटिंग्स की विशेषता उनकी अलग बनावट और सजावटी स्वरूप है। इन्हें लकड़ी के आधार पर तैयार किया जाता है। पेंटिंग्स के डिजाइन और आकार में ग्राहकों की पसंद के अनुसार बदलाव भी किए जाते हैं। इसके लिए कस्टमाइजेशन की सुविधा उपलब्ध है। तैयार कलाकृतियों को धोकर साफ करने योग्य बताया जाता है, जिससे इनके रखरखाव में सुविधा रहती है। स्टोन डस्ट पेंटिंग्स पारंपरिक हस्तकला को नए स्वरूप में प्रस्तुत करने का एक उदाहरण हैं। ऐसी कलाकृतियां घरों, कार्यालयों और अन्य स्थानों की सजावट के लिए उपयोगी हो सकती हैं।

भोपाल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, बाल अधिकार एवं पॉक्सो अधिनियम की दी जानकारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल द्वारा नालसा के 'सुरक्षित बचपन अभियान' के अंतर्गत कस्तूरबा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भोपाल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान की गतिविधि क्रमांक-4 के अंतर्गत विद्यार्थियों को ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर अपराध, बाल अधिकार एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), 2012 के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश श्री हिमांशु कौशल ने विद्यार्थियों को



संबोधित करते हुए पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने अच्छे एवं बुरे स्पर्श की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा, बाल शोषण से बचाव तथा किसी भी अनुचित व्यवहार के विरुद्ध बिना भय अपनी बात रखने के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को देने के लिए प्रेरित किया। कौशल ने नालसा, सालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक परामर्श, लोक अदालत, मध्यस्थता एवं विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए साइबर बुलिंग, ऑनलाइन ग्रूमिंग, फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, पहचान की चोरी, ऑनलाइन उत्पीड़न, सेक्सटॉर्शन तथा निजी फोटो एवं व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग जैसे अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। विद्यार्थियों को ओटीपी एवं पासवर्ड गोपनीय रखने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क करते समय सावधानी बरतने तथा सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की समझाइश दी गई। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताई गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मुहम्मद जीलानी ने नालसा एवं सालसा की विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण के संबंध में जानकारी दी।

पीएम केयर्स और मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के 27 बच्चों से किया संवाद

कोविड में अपनों को खोने वाले बच्चों के लिए संबल बनीं : मंत्री निर्मला भूरिया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को मंत्रालय में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना से लाभान्वित 27 बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे संवाद किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों की शिक्षा, वर्तमान परिस्थितियों, व्यक्तिगत समस्याओं और भविष्य की योजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बच्चों को दीपावली के उपहार भेंट कर उनके जीवन में खुशियों और नई उम्मीदों का संचार किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता अथवा अभिभावकों को खोने वाले बच्चों की देखभाल, शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए हरसंभव सहयोग और अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखें, अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करें और जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करें। संवाद के दौरान मंत्री सुश्री भूरिया ने प्रत्येक बच्चे की रुचियों, शैक्षणिक प्रगति और भविष्य में अपनाए जाने वाले कॅरियर के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की परेशानियों को संवेदनशीलता से सुना और कहा कि राज्य सरकार बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके सर्वांगीण



विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों को आश्वस्त किया कि वे स्वयं को अकेला न समझें। सरकार उनके संरक्षण और बेहतर भविष्य के लिए उनके साथ खड़ी है।मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि दोनों योजनाएं कोविड महामारी से प्रभावित बच्चों के जीवन में सुरक्षा, विश्वास और आत्मनिर्भरता का आधार बनी हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र बच्चा आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा अथवा अपने सपनों से वंचित न रहे। पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना से बच्चों को मिल रहा आर्थिक एवं शैक्षणिक संबल उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 मई 2021 को प्रारंभ की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना का उद्देश्य कोविड-19 महामारी के कारण माता-पिता अथवा पात्र अभिभावकों को खोने वाले बच्चों को व्यापक संरक्षण और सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों के लिए 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की निधि का प्रावधान है। इस निधि से 18 से 23 वर्ष की आयु तक मासिक आर्थिक सहायता तथा 23 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त बच्चों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कक्षा पहली से बारहवीं तक शिक्षा के लिए 20 हजार रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति तथा उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक ऋण एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के अंतर्गत कोविड महामारी के कारण माता-पिता को खोने वाले पात्र बच्चों को आर्थिक सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और शिक्षा की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र हितग्राही को 5 हजार रुपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। अंतर्गत निःशुल्क राशन तथा शासकीय शिक्षण संस्थानों में स्कूली, उच्च, तकनीकी, चिकित्सा एवं विधि शिक्षा के लिए निःशुल्क शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

वैज्ञानिक पद्धति से हो रहा पंगेसियस मछली पालन...

नरवाई प्रबंधन से लेकर मछली उत्पादन तक, कलेक्टर ने देखीं विकास कार्यों की संभावनाएं

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने बुधवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर कृषि, मत्स्य पालन और पेयजल योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा आधुनिक तकनीक से नरवाई प्रबंधन, बरगी जलाशय में वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन और निर्माणाधीन समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए किसानों की आय बढ़ाने, उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जबलपुर विकासखंड के ग्राम पडुआ में कृषक जम्मन पटेल के खेत का भ्रमण किया। यहां उन्होंने धान की कटाई के बाद खेतों में बचने वाले अवशेष (नरवाई) से बेलर मशीन के जरिए पराली के गोल बंडल तैयार करने की प्रक्रिया देखी। कृषक जम्मन पटेल ने बताया कि वे अपने खेतों के अलावा दूसरे किसानों के खेतों में भी बेलर मशीन का उपयोग कर नरवाई के बंडल तैयार करते हैं। कलेक्टर ने किसानों को बताया कि नरवाई और बायोमास से तैयार इन बंडलों को रिलायंस और बिजली संयंत्रों में बेचकर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त की जा सकती है। उप संचालक कृषि यू.के. कटहरे ने बताया कि नरवाई का उचित प्रबंधन करने से मिट्टी के पोषक तत्व और उसकी उपजाऊ क्षमता सुरक्षित रहती है। इससे खेतों की नमी और पानी का संरक्षण भी होता है। साथ ही पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगने से वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। कलेक्टर ने बरगी जलाशय में स्थापित फ्लोटिंग फिश केज का निरीक्षण कर वैज्ञानिक पद्धति से किए जा रहे पंगेसियस मछली पालन की जानकारी ली। उन्होंने मछली उत्पादन की वर्तमान स्थिति और इसकी क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं का भी जायजा लिया।

सहायक संचालक मत्स्य उद्योग राजा राज तिलक धुर्वे ने बताया कि राज्य सरकार की एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के तहत मत्स्य पालकों और समूहों को आधुनिक तकनीक, मछली प्रसंस्करण, मार्केटिंग और वित्तीय प्रोत्साहन से जोड़ा जा रहा है। इसका उद्देश्य जलाशयों का बेहतर उपयोग कर मछली उत्पादन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कलेक्टर को केज कल्चर की कार्यप्रणाली, पंगेसियस मछली की वृद्धि दर और उत्पादन क्षमता के संबंध में जानकारी दी।

निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बरगी क्षेत्र के भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने पड़वार-पड़रिया समूह जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन इंटेक वेल और उससे जुड़ी जल संरचनाओं का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने मौके पर कार्य कर रहे कर्मचारियों से निर्माण कार्यों की स्थिति और परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने काम में तेजी लाने के लिए मैनपावर बढ़ाने और निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

जबलपुर के सदर में कैंट बोर्ड का चला बुलडोजर चंसोरिया कंपाउंड में ढहाया गया अवैध निर्माण

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



छावनी क्षेत्र में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया है। सुबह-सुबह हुई इस अचानक कार्रवाई से पूरे सदर क्षेत्र और स्थानीय निर्माणकर्ताओं में हड़कंप मच गया है। अवैध निर्माण को पूरी तरह धराशायी कर दिया कैंट बोर्ड और रक्षा संपदा विभाग की संयुक्त टीम ने सदर इलाके स्थित जायसवाल पेट्रोल पंप के पीछे, बंगला नंबर 25 के चंसोरिया कंपाउंड में बिना अनुमति के किए जा रहे अवैध निर्माण को पूरी तरह धराशायी कर दिया। पुलिस बल के साथ आर्मी की क्विक रिस्पांस टीम तैनात कार्रवाई के दौरान कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल के साथ-साथ आर्मी की क्विक रिस्पांस टीम को भी मौके पर तैनात किया गया था, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। कई चेतावनियों के बावजूद इसे रोका नहीं गया था प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह निर्माण पूरी तरह अवैध था और कई चेतावनियों के बावजूद इसे रोका नहीं गया था। नियमों को ताक पर रखकर अवैध निर्माण पर सख्त छावनी क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ कैंट बोर्ड का यह सख्त रुख आगे भी जारी रहने की संभावना है। इस कार्रवाई के बाद से अवैध निर्माण करने वालों में भारी खौफ देखा जा रहा है।

बाहर खाने के शौकीनों सावधान : सिद्धी विनायक रेस्टोरेंट में टॉयलेट के पानी से बन रहा था खाना

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



ट्रेनों में सफर के दौरान भूख लगने पर यात्री अक्सर स्टेशन या ट्रेन में मिलने वाले भोजन के पैकेट खरीदकर अपनी जरूरत पूरी करते हैं। इसके लिए उन्हें निर्धारित कीमत भी चुकानी पड़ती है, लेकिन जिस भोजन को वे भरोसे के साथ खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता और स्वच्छता की कोई गारंटी नहीं है। जबलपुर के सिविल लाइंस स्थित सिद्धी विनायक रेस्टोरेंट में खाद्य प्रशासन विभाग की छापेमारी ने रेल यात्रियों तक पहुंच रहे भोजन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां रसोई में बाथरूम के पानी से सब्जियां धोने और अस्वच्छ परिस्थितियों में भोजन तैयार करने की बात सामने आई।

दीवाली पर भोपाल-बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस में जोड़ा एक अतिरिक्त कोच



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

रेल यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं अतिरिक्त यात्रीभार को देखते हुए यात्रियों को अधिक सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए रेलवे द्वारा भोपाल-बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। 27 नवंबर 2026 तक अतिरिक्त शयनयान कोच लगेंगा इस व्यवस्था के तहत गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस में 4 नवंबर से 25 नवंबर 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस में 6 नवंबर से 27 नवंबर 2026 तक एक अतिरिक्त शयनयान कोच लगाया जाएगा।

शयनयान श्रेणी की बर्थ की उपलब्धता बढ़ेगी अतिरिक्त कोच के जुड़ने से ट्रेन में शयनयान श्रेणी की बर्थ की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे अधिक यात्रियों को आरक्षित सीटों की सुविधा मिल सकेगी और उनकी यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। इस अस्थायी व्यवस्था के बाद ट्रेन में कुल कोचों की संख्या 13 हो जाएगी।

तिलवारा और गोहलपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कार सवार 3 तस्कर गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार और स्मैक की फुटकर तस्करी करने वाले गिरोह के खिलाफ तिलवारा और गोहलपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नेशनल हाईवे पर घेराबंदी कर एक लाल रंग की कार से तीन तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नशीला पदार्थ, नकदी और तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त किया गया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि वे पड़ोसी जिले नरसिंहपुर के गोटेगांव से थोक में स्मैक खरीदकर लाते थे और जबलपुर शहर के विभिन्न इलाकों में युवाओं को फुटकर (खुदरा) दामों पर ऊंचे मुनाफे में बेचते थे। पुलिस अब इस नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए गोटेगांव के मुख्य सप्लायर की तलाश में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर को तिलवारा थाना पुलिस की टीम जबलपुर-नागपुर नेशनल हाईवे पर ग्राम जोधपुर पड़ाव के पास संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चरगवां की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार लाल रंग की कार को पुलिस ने रोकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर कार चालक ने वाहन की रफ्तार बढ़ाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिसबल ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया और उसमें सवार तीनों युवकों को हिरासत में ले लिया। लाखों की स्मैक, कार और नकदी जब्त कार की तलाशी लेने पर पुलिस को आरोपियों के कब्जे से अवैध नशीला पदार्थ और अन्य सामग्रियां बरामद हुईः स्मैकः 14.44 ग्राम (अंतरराष्ट्रीय/बाजार मूल्य हजारों रुपये में) नकदीः 17,600 रुपये (स्मैक बिक्री से अर्जित राशि) संपत्ति व साधनः 4 एंड्रॉइड मोबाइल फोन और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही लाल रंग की कार एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज तिलवारा और गोहलपुर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ 'स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम' की गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि जबलपुर में उनके ग्राहकों और गोटेगांव के मुख्य तस्करों के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

आवारा कुत्तों का आतंक, हाईकोर्ट ने कहा-रोकथाम के लिए बनेगा मॉडल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



आवारा कुत्तों का आतंक अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव और कस्बों में भी डाग बाइट और रेबीज की घटनाएं चिंता का विषय बन रही हैं। एक मॉडल तैयार करने की दिशा में पहल इस समस्या के प्रभावी निराकरण के लिए हाई कोर्ट ने एक मॉडल तैयार करने की दिशा में पहल की है। अगली सुनवाई में तय किया जाएगा कि इसके लिए किस शहर का चयन किया जाए। निर्देशों के पालन में किए गए कार्यों की स्टेटस रिपोर्ट पेश मंगलवार को आवारा कुत्तों से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पालन में किए गए कार्यों की स्टेटस रिपोर्ट पेश की गई। सरकार का ध्यान मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित इस पर कोर्ट मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रायन डिसल्वा और याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनुराग गोहिल ने ध्यानाकर्षण कराया कि सरकार का ध्यान मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित है, जबकि समस्या गांवों और कस्बों में भी गंभीर रूप ले चुकी है। इसके लिए व्यापक और ठोस कार्ययोजना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं सख्त निर्देश उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के हमलों और रेबीज की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सरकारी एवं निजी संस्थानों, अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक खेल परिसरों और रेलवे स्टेशनों जैसे स्थानों को चिन्हित कर कुत्तों के टीकाकरण और नसबंदी के निर्देश दिए हैं।

रहवासी इलाके में बिना लाइसेंस पटाखे बेचना पड़ा भारी, बड़ी मात्रा में आतिशबाजी जब्त की

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



रहवासी इलाके में बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वाले जनरल स्टोर संचालक के खिलाफ ग्वारीघाट पुलिस ने कार्रवाई की है। पोलीपाथर में डॉ. बोस के सामने स्थित गुरुनानक जनरल स्टोर पर दबिश देकर पुलिस ने बड़ी मात्रा में पटाखे जब्त किए। दुकान संचालक नरेश पंजवानी (50), निवासी अवधपुरी कालोनी, के विरुद्ध विस्फोटक पदार्थ अधिनियम सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। मुखबिर से सूचना पर पहुंची पुलिस पुलिस के अनुसार, तीन नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गुरुनानक जनरल स्टोर में अवैध रूप से पटाखे बेचे जा रहे हैं। सूचना पर ग्वारीघाट पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश दी। उस समय दुकान में ग्राहकों की भीड़ थी और संचालक पटाखे बेच रहा था। पूछताछ में उसने अपना नाम नरेश पंजवानी बताया। पटाखों के भंडारण और बिक्री संबंधी अनुज्ञप्ति मांगे जाने पर वह कोई लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने दुकान से एक कार्टून और बोरी में रखे विभिन्न तरह के पटाखे जब्त किए। इनमें सात पैकेट फूलझड़ी, तीन पैकेट रॉकेट, 40 अनार, पांच पिंक लिंग कलर, दो पैकेट नुकीला बम, 55 पैकेट कमांडो, 52 बिजली क्रेकर, 20 छुरछुरी, 10 प्लाबर पोर्ट, 20 छोटे प्लाबर, 65 सुपर डिलक्स बम, 55 सुपर किंग बम, 70 सुपर जाइंट बम, पांच रैगो पटाखे और एक रेड ब्लास्ट शामिल हैं।

कलेक्टर ने समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाइन एवं स्वामित्व योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी शिकायतकर्ताओं से चर्चा कर शिकायतों के निराकरण की स्थिति की जानकारी लेंगे।कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वामित्व योजना की समीक्षा करते हुए योजना के तहत शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर दिया।

भेड़ाघाट में हाईवा ने मारी बाइक को टक्कर गंभीर हालत में घायल अस्पताल पहुंचा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भेड़ाघाट में बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे तेज रफ्तार हाईवा ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसके हाथ-पैर टूटने की जानकारी है। हाईवा सामने से आकर बाइक से टकरा गया युवक कॉलेज में पेपर देने जा रहा था। इसी दौरान भेड़ाघाट चौराहे पर दौड़ते हैं बिना नंबर प्लेट वाले हाईवा प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सरस्वती घाट क्षेत्र में रातभर बिना नंबर प्लेट वाले हाईवा से अवैध रूप से रेत और पीली मिट्टी का परिवहन हो रहा है। घटनास्थल का मुआयना कर मामला दर्ज भेड़ाघाट थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर मामला दर्ज किया। जिस हाईवा से टक्कर हुई उस पर भी नंबर नहीं था, डाले पर लिखा नंबर भी मिटा दिया गया था। पुलिस जांच कर रही है।

जबलपुर में बीच-बचाव पड़ा भारीः गाली देने से मना करने पर भड़के बदमाश

घर के बाहर गाली देने से मना करने पर दबंगों ने परिवार पर किया चाकू से हमला

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत इंदिरा नगर (गुप्तेश्वर) में सड़क पर खड़े होकर गाली-गलौज करने से रोकना एक निर्दोष परिवार को बेहद भारी पड़ गया। घर के बाहर उपद्रव कर रहे तीन बदमाशों को जब परिवार के मुखिया ने समझाइश दी, तो सिरफिरे युवकों ने पूरे परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों की इस हैवानियत में बीच-बचाव करने आई बेटी और दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 10-11 बजे इंदिरा नगर निवासी बनारसी लाल गुप्ता के घर के बाहर तीन स्थानीय युवक–कृष राय, मनीष राय और अक्षय रजक–खड़े होकर तेज आवाज में एक-दूसरे को अश्लील गालियां दे रहे थे। देर रात तक गाली-गलौज जारी रहने से घर का माहौल खराब हो रहा था। इस पर बनारसी लाल गुप्ता खुद बाहर आए और उन्होंने बहुत ही शांति से युवकों को समझाया कि वे यहां गाली-गलौज न करें और अपने-अपने घर चले जाएं। शांति से दी गई यही सलाह बदमाशों को नागवार गुजरी। आक्रोशित होकर तीनों युवकों ने बनारसी लाल पर लात-घूंसों से हमला बोल दिया। बेटी और बेटों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार पिता को पिटता देख उन्हें बचाने के लिए बनारसी लाल के दो बेटे और बेटी घर से बाहर भागे। हमलावरों ने आव देखा न ताव, तुरंत धारदार चाकू निकालकर पूरे परिवार पर हमला बोल दियाः बेटी की हालत नाजुकः बीच-बचाव कर रही बेटी के सीने में सीधे चाकू मार दिया गया, जिससे काफी खून बह गया और उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। बेटे भी घायलः पिता को बचाने में दोनों बेटों पर भी चाकू से वार किए गए, जिससे वे भी लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। इलाके में तनाव, आरोपियों की तलाश में पुलिस चीख-पुकार सुनकर आसपास के पड़ोसी मौके पर एकत्र होने लगे, जिन्हें देखकर तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। गोरखपुर थाना पुलिस ने तीनों नामजद आरोपियों–कृष राय, मनीष राय और अक्षय रजक–के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) और मारपीट समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की टीमें आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

संपादकीय

ईरान पर परमाणु हमला

नौवीं बार संभावनाएं जताई जा रही हैं कि अमरीका ईरान पर परमाणु हमला कर सकता है ! राष्ट्रपति ट्रंप इजरायल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नेतन्याहू के लगातार दबाव में हैं कि परमाणु हमले से ही ईरान समस्या का कोई समाधान मिल सकता है। यदि ईरान पर परमाणु हमला किया गया, तो उसके बाद तीसरे विश्व युद्ध की स्थितियां चरम पर होंगी। रूस, उत्तरी कोरिया, चीन और भारत भविष्य के विनाशकारी युद्ध में शामिल होने को बाध्य होंगे ! लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध के 8 लंबे महीनों के बाद भी दोहरी जुबान बोल रहे हैं कि ईरान के साथ डील की बातचीत अच्छी चल रही है।

वह युद्ध नहीं चाहते, लेकिन फिर यह भी बयान देते हैं कि हम ईरान का अस्तित्व खत्म कर देंगे। अमरीका में मध्यावधि चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं, लिहाजा अब राष्ट्रपति ट्रंप के लिए दोनों ही विकल्प खुले हैं कि ईरान पर एक बार फिर युद्ध थोपा जाए अथवा समझौते की संभावनाओं को पुख्ता किया जाए। इसी दौरान अमरीका के वरिष्ठ पत्रकार और कभी राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीब रहे टकर कार्लसन ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट लिखी है कि अमरीका कुछ ही दिनों में ईरान के नतांज परमाणु केंद्र के करीब पिकएक्स पहाडि ?ों पर परमाणु हमला कर सकता है।

इस बार बी 61-11 बॉम्बर्स के जरिए बंकरफोडू बमबारी की जा सकती है या मिसाइलों से हमला किया जा सकता है ! अमरीका पहले भी ईरान के परमाणु केंद्रों की पहाडि ?ों पर हमले कर चुका है, लेकिन इस बार परमाणु सम्मत हथियारों से हमले की संभावनाएं जताई जा रही हैं। दिलचस्प यह है कि उपराष्ट्रपति वेंस और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ युद्ध नहीं, ईरान के साथ बातचीत और डील के पक्षधर हैं। बहरहाल यदि इस बार युद्ध का विस्तार हुआ, तो कच्चे तेल की कीमतें 140 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकती हैं और फिर वहीं स्थिर रह सकती हैं, क्योंकि सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है।

अमरीका और यूरोपीय देशों में खासकर गैस की मांग चरम पर पहुंच जाती है, क्योंकि वहां के घरों को गर्म रखने के लिए गैस की बुनियादी जरूरत होती है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, 15 देशों में ऊर्जा की जबरदस्त किल्लत है। गैस के साथ-साथ तेल के संकट भी हैं।

फ्रांस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, स्लोवाकिया, जापान सरीखे देशों में ऊर्जा आपातकाल और राशनिंग की व्यवस्था लागू करनी पड़ी है। जहां तक भारत का सवाल है, तो उसने अक्तूबर माह में 56 लाख बैरल तेल औसतन हररोज खरीदा है। सुखद संकेत यह है कि खाड़ी देशों से औसतन रोजाना 23 लाख बैरल तेल हररोज आयात किया जा सका है और 20 लाख बैरल तेल रूस से खरीदा है। भारत कुछ अन्य देशों से भी सीमित मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है।

यदि ईरान युद्ध नए सिरे से भडकता है, तो होर्मुज के रास्ते आयात फिर बंद हो सकता है। सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हूती आतंकी लगातार हमले कर रहे हैं। रूस पर यूक्रेन ने इतने हमले किए हैं कि उसके 49 फीसदी तेल संयंत्र, रिफाइनरियां, तेल के संसाधन नष्ट अथवा क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। रूस से हमें नवंबर-दिसंबर में तेल की आपूर्ति निश्चित रूप से कम होगी ! यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 140 डॉलर या अधिक रहीं, तो भारत में मुद्रास्फीति, आम वस्तुओं के महंगे दाम, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और रुपए के अवमूल्यन की स्थितियां लगातार बनेंगी। नतीजतन भारत की आर्थिक विकास दर 7 फीसदी से कम हो सकती है।

बहरहाल अमरीका के ईरान पर संभावित परमाणु हमले की समूचे देश में यह सामूहिक प्रतिक्रिया सामने आ रही है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर आए और अपनी परमाणु नीति में बदलाव करे। अर्थात परमाणु बम बनाए। ईरान के पास जितना यूरेनियम सवंर्धित है, उससे कुछ ही दिनों में 10-12 परमाणु बम बनाए जा सकते हैं।

मजबूत आधार बनेगी पीएम की उड़ान योजना

> हिमाचल के पहाड़ों की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हिमाचल में हवाई सफर को सुगम बनाने और विमानन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। संशोधित क्षेत्रीय संपर्क योजना झ्र उड़ान के तहत अब मौजूदा हवाई सेवाओं के संचालन के साथ नई उड़ानों और पात्र विमानन अवसंरचना के विकास का रास्ता मजबूत होगा। केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल के लिए यह सौगात 10 साल तक प्रभावी रहेगा।

आधुनिक हेलीपैड, छोटे हवाई अड्डों का विकास और नियमित क्षेत्रीय सेवाएं दूरस्थ इलाकों को जोड़ने में उपयोगी साबित हो सकती हैं हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियां जितनी खूबसूरत हैं, यहां जीवन और विकास की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन हैं। ऊंचे पहाड़, दुर्गम घाटियां, बर्फबारी, भूस्खलन और लंबी सडक यात्राएं प्रदेश के लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करती हैं। ऐसे में हवाई संपर्क केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, पर्यटन और आर्थिक अवसरों तक पहुंचने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसी आवश्यकता को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उड़े देश का आम नागरिक (यूडीएएन) क्षेत्रीय संपर्क योजना के माध्यम से हवाई यात्रा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। हिमाचल के पहाड़ों की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बीच हिमाचल में हवाई सफर को सुगम बनाने और विमानन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। संशोधित क्षेत्रीय संपर्क योजना झ्र उड़ान के तहत अब मौजूदा हवाई सेवाओं के संचालन के साथ नई उड़ानों और पात्र विमानन अवसंरचना के विकास का रास्ता मजबूत होगा। केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल के लिए यह सौगात 10 साल तक प्रभावी रहेगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय की पहल पर अब मौजूदा और नई उड़ान हवाई सेवाओं के साथ पात्र विमानन सुविधाओं के विकास एवं संचालन के लिए सहयोग का व्यापक ढांचा तैयार किया गया है। इस योजना के तहत 80 प्रतिशत केंद्र का योगदान रहेगा। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य के लिए यह योजना विशेष महत्व रखती है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को देश के विकास की प्राथमिकताओं में स्थान दिया। यह सोच कि हवाई यात्रा केवल बड़े शहरों और संपन्न वर्ग तक सीमित न रहे, बल्कि छोटे शहरों, दूरदराज के क्षेत्रों और आम नागरिकों तक भी पहुंचे, समावेशी विकास की भावना को दशार्ती है।

दिल्ली-शिमला उड़ान से शुरू हुआ ऐतिहासिक अध्याय : 27 अप्रैल 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली-शिमला हवाई सेवा को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्रीय हवाई संपर्क के एक महत्वपूर्ण अध्याय की शुरूआत की थी। यह पहल हिमाचल प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती थी, क्योंकि इससे पहाड़ी राज्य को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने की दिशा में नई संभावनाएं खुलीं। उड़ान योजना का मूल उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाना है। इसी सोच के तहत छोटे शहरों और कम सेवा वाले हवाई मार्गों को प्रोत्साहित किया गया। केंद्र सरकार की यह पहल बताती है कि विकास का अर्थ केवल महानगरों में आधुनिक सुविधाएं विकसित करना नहीं, बल्कि देश के दूरस्थ क्षेत्रों तक भी अवसर पहुंचाना है।

दुर्गम क्षेत्रों के लिए हेलीकॉप्टर सेवा किसी वरदान से कम नहीं : हिमाचल में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां सडक मार्ग से यात्रा करने में घंटों लग जाते हैं। सर्दियों में बर्फबारी, बरसात में भूस्खलन और कई बार सडक संपर्क बाधित होने के कारण लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे क्षेत्रों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं एक महत्वपूर्ण विकल्प बन सकती हैं। हाल ही में 21 अक्टूबर 2026 को शिमला के संजौली हेलीपोर्ट से रामपुर और आगे किन्नौर के रिकांगपिओ तक हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित की जा रही है। इससे दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों को शिमला तक पहुंचने का एक वैकल्पिक साधन मिला है। केंद्र की उड़ान क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत संचालित इन सेवाओं से पहाड़ी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस तरह की सेवाओं का महत्व केवल यात्रा का समय घटाने तक सीमित नहीं है। इससे मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंचने, सरकारी कामकाज के लिए यात्रा करने और स्थानीय लोगों को दूसरे क्षेत्रों से जुड़ने में सहायता मिल सकती है। विशेषकर जनजातीय और दुर्गम क्षेत्रों के लिए बेहतर हवाई संपर्क जीवन की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा प्रोत्साहन : हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। शिमला, कुल्लू-मनाली, किन्नौर और अन्य पर्यटन स्थलों पर देशभर से पर्यटक पहुंचते हैं। बेहतर हवाई संपर्क से पर्यटकों के लिए यात्रा अधिक सुविधाजनक हो सकती है और राज्य के पर्यटन क्षेत्र को नए अवसर मिल सकते हैं। हवाई संपर्क बढ़ने से होटल व्यवसाय, टैक्सी सेवाओं, स्थानीय परिवहन, रेस्तरां, होमस्टे और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचने की संभावना है। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने पर स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी विकसित हो सकते हैं। हिमाचल के छोटे उद्यमियों और स्थानीय व्यवसायों के लिए बेहतर संपर्क का अर्थ है बड़े बाजारों तक पहुंचने की अधिक संभावना। यदि हवाई सेवाओं का विस्तार योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है और किराए आम नागरिकों की पहुंच में रहते हैं, तो लाभ पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा।

संशोधित उड़ान योजना से खुलेगा विकास का नया रास्ता : केंद्र सरकार ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को आगे बढ़ाने के लिए संशोधित उड़ान योजना को भी मंजूरी दी है। 25 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2035-36 तक दस वर्षों के लिए 28840 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ मंजूरी दी। योजना में क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास, हवाई संपर्क को प्रोत्साहन और पहाड़ी एवं दूरदराज के क्षेत्रों में आधुनिक हेलीपैड विकसित करने जैसे प्रावधान शामिल हैं। यह हिमाचल प्रदेश के लिए भविष्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर है। पहाड़ी राज्य में हर स्थान पर बड़े हवाई अड्डे बनाना व्यावहारिक नहीं है। ऐसे में आधुनिक हेलीपैड, छोटे हवाई अड्डों का विकास और नियमित क्षेत्रीय सेवाएं दूरस्थ इलाकों को जोड? में उपयोगी साबित हो सकती हैं।

राजनीति में क्यों आएं युवा?

डा. वरिंद्र भाटिया

आमतौर पर एक सामान्य व्यक्ति शांतिप्रिय, ईमानदार, सहयोगी और अपने काम से काम रखने वाला होता है। वह समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहता है। इसके विपरीत राजनीति में प्रवेश करने वाले अनेक लोग महत्वाकांक्षी हो जाते हैं और किसी न किसी तरह सत्ता एवं प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक द एप्पल कार्ट में आम जनता और राजनेताओं के संबंधों पर व्यंग्य करते हुए एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार आम जनता पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और उन्हें एक गुब्बारे में बैठाकर ऊपर भेज देती है। गुब्बारे में बैठे राजनेता पांच वर्षों तक जनता से दूर रहते हैं, जबकि जनता उनसे किए गए वादों को पूरा होने की उम्मीद में आसमान की ओर देखती रहती है।



यह समझना आवश्यक है कि युवा ही किसी देश का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उन्हें देश की नीतियों, राजनीतिक मुद्दों और सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। राजनीति से दूरी बनाकर, वास्तविक परिस्थितियों की अनदेखी करके और देश में चल रही घटनाओं के प्रति आंखें मूंदकर हम अपने ही राष्ट्र के भविष्य के साथ अन्याय कर रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि युवा राजनीति से दूर रहें, बल्कि आवश्यकता इस राजनीति से दूरी की नहीं, युवाओं की सक्रिय भागीदारी की है। समय की मांग है कि युवा सकारात्मक राजनीति के समर्थक बनें

आमतौर पर एक सामान्य व्यक्ति शांतिप्रिय, ईमानदार, सहयोगी और अपने काम से काम रखने वाला होता है। वह समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहता है। इसके विपरीत राजनीति में प्रवेश करने वाले अनेक लोग महत्वाकांक्षी हो जाते हैं और किसी न किसी तरह सत्ता एवं प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। प्रसिद्ध नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने अपने नाटक ह्यद एप्पल कार्टह्ल में आम जनता और राजनेताओं के संबंधों पर व्यंग्य करते हुए एक रोचक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार आम जनता पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनती है और उन्हें एक गुब्बारे में बैठाकर ऊपर भेज देती है। गुब्बारे में बैठे राजनेता पांच वर्षों तक जनता से दूर रहते हैं, जबकि जनता उनसे किए गए वादों को पूरा होने की उम्मीद में आसमान की ओर देखती रहती है। इस दौरान आम आदमी की जेब खाली होती जाती है।

पांच साल बाद गुब्बारा वापस आता है और फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाती है। परिणामस्वरूप आम आदमी और गरीब होता जाता है, जबकि राजनेता अधिक समृद्ध होते जाते हैं। इस प्रकार राजनीति कई बार आम जनता के शोषण का माध्यम बनती दिखाई देती है। इसे युवा ही रोक सकते हैं। महात्मा गांधी ने भी राजनीति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था, ह्यजो व्यक्ति यह कहता है कि उसे राजनीति में कोई रुचि नहीं है, वह उस डूबते हुए व्यक्ति के समान है जो कहता है कि उसे पानी में कोई रुचि नहीं है।ह्ल इस विषय पर आगे बढ? से पहले यह समझना आवश्यक है कि राजनीति का वास्तविक अर्थ क्या है। दुर्भाग्यवश, अधिकांश लोगों के मन में राजनीति को लेकर नकारात्मक धारणा बनी हुई है। वे इसे भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अनुचित हथकंडों का खेल मानते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि राजनीति का संबंध किसी देश या क्षेत्र के शासन, प्रशासन और नीतियों के निर्माण से है। पुराने घाघ नेताओं की मौजूदगी के चलते भारतीय राजनीति में प्रवेश करना किसी युवा के लिए अब आसान नहीं है। इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना और जनता के बीच अच्छी पहचान तथा समर्थन होना बहुत जरूरी है। एक आम आदमी जो बड़ी मुश्किल से अपना घर चलाता है और अपनी जरूरतों पर ही पैसा खर्च करता है, उसके लिए किसी राजनीतिक पार्टी से चुनाव लड? का टिकट पाने के लिए लाखों या करोड़ों रुपए खर्च करना आसान नहीं है। अगर कोई व्यक्ति निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड ?ा चाहता है, तो उसे भी अपने प्रचार-प्रसार और चुनाव जीतने के लिए काफी पैसा खर्च करना पड़ता है। दूसरी बड़ी समस्या जनता का समर्थन हासिल करना है। ऐसे में किसी युवा, योग्य और ईमानदार व्यक्ति के लिए जनता का समर्थन हासिल करना कठिन हो सकता है। इसके अलावा भारतीय राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे कुछ उम्मीदवारों और नेताओं की मौजूदगी भी एक चिंता का विषय है। ऐसे माहौल में एक सामान्य व्यक्ति के लिए अपनी जगह बनाना और राजनीति में टिके रहना आसान नहीं होता।

इन मुश्किलों के बावजूद युवा यह भी सोचें कि हम 21वीं सदी में रह रहे हैं, जहां एक ओर दुनिया तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर अस्थिरता भी बढ़ रही है। ऐसे समय में देश को सही दिशा में आगे ले जाने की जिम्मेदारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। देश की प्रगति, शांति और स्थिरता के लिए युवाओं का जागरूक और जिम्मेदार होना बेहद जरूरी है। आज शिक्षा, खेल और राजनीति जैसे जीवन के विभिन्न क्षेत्र एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि आपस में जुड़े हुए हैं।

जब 18 वर्ष की आयु में किसी युवा को मतदान का अधिकार दिया जाता है और वह वाहन चलाने के लिए लाइसेंस प्राप्त कर सकता है, तो फिर उसी उम्र में उसे राजनीति के प्रति जागरूक होने से क्यों रोका जाए? यदि हम उसे देश के लिए योग्य राजनीतिक नेतृत्व चुनने में सक्षम मानते हैं, तो देश की राजनीतिक गतिविधियों में उसकी रुचि और समझ भी आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। इसका अर्थ है कि भारत के राजनीतिक भविष्य को निर्धारित करने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युवाओं के लिए देश की राजनीतिक परिस्थितियों से परिचित होना और विश्वभर में हो रहे राजनीतिक बदलावों पर नजर रखना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपने देश, संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों, राजनीतिक दलों तथा उनके चुनावी एजेंडों की जानकारी होनी चाहिए। इससे उनमें सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और जागरूकता विकसित होगी। जब किसी देश की युवा शक्ति एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होती है, तो वह एक अपराजेय ताकत बन जाती है। कुछ लोगों का मानना हो सकता है कि राजनीति में रुचि लेने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। लेकिन यह धारणा पूरी तरह उचित नहीं है। राजनीति की जानकारी प्राप्त करना शिक्षा में बाधा नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। इससे युवाओं को समाज और दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को पहचानने में सहायता मिलती है। राजनीति में सक्रिय रूप से शामिल होना हर युवा के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन राजनीतिक रूप से जागरूक होना प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने में युवाओं ने हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर और शहीद भगत सिंह जी जैसे महान व्यक्तित्वों ने अपनी युवावस्था में ही सामाजिक एवं राजनीतिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

यदि उस दौर के युवाओं ने अन्याय के विरुद्ध आवाज न उठाई होती, तो शायद उनके देशों का इतिहास कुछ और होता। अंततः यह समझना आवश्यक है कि युवा ही किसी देश का वर्तमान और भविष्य दोनों हैं। उन्हें देश की नीतियों, राजनीतिक मुद्दों और सामाजिक चुनौतियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। राजनीति से दूरी बनाकर, वास्तविक परिस्थितियों की अनदेखी करके और देश में चल रही घटनाओं के प्रति आंखें मूंदकर हम अपने ही राष्ट्र के भविष्य के साथ अन्याय कर रहे हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि युवा राजनीति से दूर रहें, बल्कि आवश्यकता इस राजनीति से दूरी की नहीं, युवाओं की सक्रिय भागीदारी की है। समय की मांग है कि युवा देश हित में स्वच्छ, जागरूक, जिम्मेदार और सकारात्मक राजनीति के समर्थक बनें।

सल्फर से हो रही थी किशमिश की सफाई ग्वालियर में 360 किलो माल किया जब्त



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने पहुंची खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी पर करीब दो घंटे तक बाहर खड़े रहना पड़ा। गोदाम के बाहर ताला लगा हुआ था, जबकि अंदर काम चल रहा था। शिकायत मिलने पर निरीक्षण करने पहुंची टीम ने जब गोदाम खुलवाने का प्रयास किया तो काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। बाहर से ताला बंद कर अंदर काम किए जाने की स्थिति ने अधिकारियों को भी हैरान कर दिया। बाद में कार्रवाई करते हुए टीम ने किशमिश और उसे साफ करने में इस्तेमाल होने वाले सल्फर के नमूने लिए। साथ ही 360 किलो किशमिश, जिसकी कीमत 1.26 लाख रुपये है, जब्त कर ली। दीपावली के त्योहार को देखते हुए कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मिलावट और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच के लिए अभियान चला रही है। इसी के तहत ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मां राजेश्वरी ट्रेडर्स और श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी के किशमिश गोदामों का निरीक्षण किया गया। दोनों फर्मों में किशमिश की सफाई के लिए सल्फर रखा मिला। अधिकारियों ने किशमिश और सल्फर के नमूने लिए, ताकि जांच में पता चल सके कि सफाई की प्रक्रिया में खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

मां राजेश्वरी ट्रेडर्स से भी लिए किशमिश और सल्फर के नमूने

खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेन्द्र सिंह ने मां राजेश्वरी ट्रेडर्स के संचालक राजेंद्र कुमार गोयल से किशमिश और सल्फर के नमूने लिए। वहीं श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी के संचालक रवि बंसल से खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद प्रकाश शर्मा ने नमूने लिए। श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी में 360 किलो किशमिश जब्त की गई।

मिठाई दुकानों से भी लिए नमूने

खाद्य सुरक्षा विभाग की दूसरी टीम ने तहसीलदार सुरेश यादव के नेतृत्व में मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इसमें जोधपुर मिष्ठान भंडार, यूनिवर्सिटी तिराहा से केसर कतली और बेसन लड्डू तथा जैन मावा भंडार, चिक संतर, मुरार से मावा के नमूने लिए गए। वहीं बंगाली स्वीट्स, थाटीपुर से मलाई बर्फी, मिल्क केक और बेसन लड्डू के नमूने लिए गए।

भोपाल लैब भेजे जाएंगे नमूने

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल स्थित खाद्य प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला को पोटली में कागज-पत्थर देकर ले गए सोने के जेवर, ठगों ने दिया ऐसा लालच की फंस गई



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

महाराज बाड़े पर खरीदारी करने आई 40 वर्षीय महिला को दो युवकों ने रुपये देने का झांसा देकर ठगी का शिकार बना लिया। युवकों ने पहले झांसी जाने का रास्ता पूछा और फिर पोटली में बंधे रुपये आधे देने का लालच दिया। उनकी बातों में आकर महिला ने सोने की झूमकी और अंगूठी उतारकर दे दी। बदले में युवकों ने उसे एक पोटली थमा दी, जिसमें महज 500 रुपये का नोट और कागज-पत्थर निकले।

महिला की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, बरई-पनिहरा निवासी रेखा राठौर सोमवार को अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ महाराज बाड़े पर खरीदारी करने आई थीं। इसी दौरान स्टेट बैंक के पास एक युवक ने उनसे झांसी जाने का रास्ता पूछा। महिला ने अनभिज्ञता जताई, तभी युवक का एक साथी वहां पहुंच गया। उसने महिला को बताया कि वे रुपये लेकर भागे हैं और झांसी जाना चाहते हैं, लेकिन रास्ते की जानकारी नहीं है। यदि वह उन्हें रास्ता बता देगी तो पोटली में रखे रुपयों में से आधे उसे दे देंगे।

पोटली खोलकर देखी तो उड़े होश

युवकों के लालच में आकर महिला उनके साथ सराफा बाजार तक पहुंच गई। इसके बाद तीनों ई-रिक्शा में बैठकर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। स्टेशन पुल से पहले दोनों युवकों ने रुपये देने के बहाने महिला से सोने की झूमकी और अंगूठी उतरवा ली। इसके बदले उसे पोटली थमा दी और पुल से पहले ही उतरकर चले गए। कुछ देर बाद महिला ने पोटली खोलकर देखी तो उसमें ऊपर 500 रुपये का एक नोट और नीचे कागज व कंकड़-पत्थर रखे मिले। ठगी का अहसास होने पर महिला ने स्वजन को जानकारी दी और रात में कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर दोनों युवकों की पहचान करने में जुटी है।

चंबल के दोनों पुलों के निर्माण में अड़चन, उत्तरप्रदेश सरकार को जारी किया नोटिस

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर। चंबल नदी पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश को आपस में जोड़ने वाले दो अति-महत्वपूर्ण पुलों-अंबाह-पिनाहट और अटेर-जैतपुर-के निर्माण कार्य में आ रही लगातार अड़चनों पर अब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को औपचारिक नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव के माध्यम से राज्य सरकार को नोटिस तामील कराने का स्पष्ट निर्देश दिया। पीठ ने याचिकाकर्ता को निर्देशित किया है कि वह सात कार्यदिवस के भीतर आवश्यक प्रक्रिया शुल्क जमा करे, जिसके बाद स्पीड पोस्ट के जरिए यह नोटिस भेजा जाएगा। यह आदेश याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए अंतरिम आवेदन पर विचार करते हुए पारित किया गया है। कोर्ट के निर्देशानुसार, नोटिस की प्रति उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, लोक भवन (सिविल सचिवालय), लखनऊ को भेजी जाएगी। अंबाह-पिनाहट पुलः मुरैना जिला (मध्य प्रदेश) और आगरा जिला (उत्तर प्रदेश) के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने के लिहाज से यह बेहद महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके शुरू होने से दोनों राज्यों के बीच व्यापार और आम जनता की आवाजाही काफी सुगम हो जाएगी। अटेर-जैतपुर पुलः यह पुल भिंड (मध्य प्रदेश) और इटावा (उत्तर प्रदेश) के सीमावर्ती क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है। चंबल अभयारण्य क्षेत्र में आने के कारण इन दोनों निर्माणाधीन पुलों को पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी विभिन्न केंद्रीय और राज्यस्तरीय अनुमतियों की आवश्यकता है।

प्रभारी मंत्रीजी- दीपावली से पहले ग्वालियर में नहीं भरे सड़कों के गड्ढे, बना था डबल एक्शन प्लान

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली के त्यौहार से पहले साफ और गडढामुक्त सड़कों पर शहरवासियों को चलने को मिलेगा, ऐसे निर्देश खुद ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट ने दिए थे। उन्होंने कहा था कि दीपावली से पहले मुझे शहर की सड़कें गडढा मुक्त चाहिए। निर्देश तो निर्देश ही रह गए। इसके बाद नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने भी सड़कों को गडढामुक्त बनाने के लिए बड़ी बैठक ली थी और डबल एक्शन प्लान भी तैयार किया था। यह हुई प्रभारी मंत्री से लेकर आदेश-निर्देश की बात, अब हकीकत देखें तो ग्वालियर की कई मुख्य सड़कों पर धूल और गडढों के बीच दीपावली का त्यौहार मनेगा। हालात यह हैं कि वाहन चालकों को मुंह पर कपड़ा लगाकर निकलना पड़ रहा है।यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों को मास्क पहनकर जैसे तैसे धूल में डयूटी करना पड़ रही है। नईदुनिया ने ऐसे मुख्य मार्गों की पड़ताल की हालात देखे तो यही आया कि माननीय और अफसर अपने निर्देश और आदेश पर अडिग नहीं दिखे और जनता परेशानी झेल रही है। नगर निगम के अधिकारियों से प्रभारी मंत्री ने कहा था कि दीपावली के त्योहार से पहले शहर की सड़कें गड्ढा मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नई सड़कों के लिए बजट का बिंदु हो सकता है लेकिन पैच रिपेयरिंग तो तत्काल होनी चाहिए। इस पर अपर आयुक्त नगर निगम ने बताया कि पैच रिपेयरिंग का काम तेजी से चल रहा है। सात अक्टूबर को नगर निगम ने सड़कों को त्यौहार से पहले गडढ़ामुक्त करने के निर्देश जारी किए थे। आयुक्त की ओर से डबल एक्शन प्लान तैयार कराया गया था लेकिन यह पूरी तरह जमीन पर नहीं उतर सका। निगम ने बताया था कि अभियान को और गति देने के लिए अब पेचवर्क का कार्य दो पालियों में दिन और रात किया जा रहा है। इसके लिए पेचवर्क वाहनों पर अलग-अलग पालियों में कर्मचारियों की तैनाती की गई है, जिससे सड़क सुधार कार्य की गति को बढ़ाकर अधिक से अधिक सड़कों को कम समय में गड्ढामुक्त किया जा सके। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है। बिरलानगर रेलवे पुल के नीचे से चार शहर का नाका तक डाली गई सीवर लाइन के कारण खुदी सड़क पर गिटटी डालकर छोड़ दिया गया।

राजस्थान में चीते ने पाड़ा मारा तो भड़के ग्रामीण कूनो ट्रैकिंग टीम को बंधक बनाकर मारपीट



ग्वालियर। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकलकर घूम रहे चीतों और उनकी निगरानी में जुटी ट्रैकिंग टीम (वन रक्षकों) दोनों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कूनो से भटककर राजस्थान के सीमावर्ती इलाके में पहुंचे एक चीते द्वारा ग्रामीण के पाड़े (भैंस के बच्चे) का शिकार किए जाने से भड़के ग्रामीणों ने कूनो की स्पेशल ट्रैकिंग टीम को बंधक बना लिया और उनके साथ जमकर मारपीट की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कूनो नेशनल पार्क की सीमा लांघकर एक चीता राजस्थान के बारां-करौली बेल्ट वाले इलाके में पहुंच गया था। वहां चीते ने एक ग्रामीण के मवेशी (पाड़े) पर हमला कर उसे अपना शिकार बना लिया। जैसे ही इसकी भनक स्थानीय ग्रामीणों को लगी, इलाके में हड़कंप मच गया। चीते की लोकेशन ट्रैक करते हुए जब कूनो की वन विभाग टीम मौके पर पहुंची, तो आक्रोशित ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया और टीम के सदस्यों को बंधक बनाकर उनकी पिटाई कर दी।

साइज सही नहीं आया तो कपड़े लौटाने की कोशिश की, साइबर ठगों ने लगा दी 98 हजार की चपत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दीपावली के त्योहार पर साइबर ठग ऑनलाइन ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ठगों ने एक बुजुर्ग सहित दो लोगों के खातों और क्रेडिट कार्ड से कुल 2 लाख 31 हजार रुपये निकाल लिए। दोनों मामलों में पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद संबंधित थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ठगी की रकम वापस कराने का प्रयास कर रही है। गौतम नगर निवासी 64 वर्षीय रामशंकर त्यागी ने 17 अक्टूबर को ऑनलाइन कपड़ों की खरीदारी की थी। कपड़ों का साइज सही नहीं होने पर उन्होंने रिटर्न की रिक्वेस्ट डाली। इसके बाद उनके पास कॉल आया और दो कपड़ों के लिए अलग-अलग रिक्वेस्ट डालने को कहा गया। प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर उन्होंने कस्टमर केयर से मदद मांगी। इसी दौरान एक डिलीवरी बॉय का फोन आया, जिसने रिटर्न की प्रक्रिया समझाने के बहाने उनसे बताए गए निर्देशों का पालन कराया। इसके कुछ ही देर बाद उनके खाते से 98 हजार 589 रुपये निकल गए। शिकायत पर थाटीपुर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दूसरी घटना में सनवैली, सिरोल निवासी व्यापारी सिमरनजीत सिंह के आरबीएल क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 33 हजार 173 रुपये का ट्रांजेक्शन कर लिया गया। घटना 23 अक्टूबर की बताई गई है। व्यापारी के अनुसार उन्होंने किसी को ओटीपी नहीं बताया था, इसके बावजूद उनके कार्ड से रकम निकाल ली गई। साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद सिरोल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएसबी जवान ने गला घोंटकर की पत्नी की हत्या

ग्वालियर। शहर के मुरार स्थित खुरैरी गांव में महिला की हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एसएसबी जवान ने ही अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर डाली। बच्चों को डराया-धमकाया और अंतिम संस्कार के लिए शव भिंड के अटेर स्थित पैतृक गांव ले गया। यहां से अपने ससुराल वालों को फोन किया और पत्नी की मौत की जानकारी दी। ससुराल वालों से बोला- हार्ट अटैक से मौत हो गई है। संदेह होने पर मायके वालों ने पुलिस को सूचना दी और खुद वहां पहुंच गए। जब बेटी से बात की तो उसने रोते हुए मां की हत्या का राज खोल दिया। फिर यह लोग ग्वालियर आए और मुरार थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई।

त्योहारी सीजन के दौरान दुर्ग-निजामुद्दीन फेस्टिवल स्पेशल 5 नवंबर को चलेगी, रेलवे ने बदली तारीख

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



त्योहारी सीजन के दौरान ग्वालियर से दिल्ली और छत्तीसगढ़ की दिशा में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। रेलवे प्रशासन ने दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन के दूसरे फेरे की समय-सारणी में आंशिक संशोधन किया है। पूर्व में घोषित तारीखों को निरस्त करते हुए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस ट्रेन का नया संशोधित शेड्यूल और ट्रेन नंबर जारी कर दिए गए हैं। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, अब यह फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन दुर्ग से हजरत निजामुद्दीन के लिए 5 नवंबर को रवाना होगी। वहीं, वापसी दिशा में यह ट्रेन 6 नवंबर को हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग के लिए प्रस्थान करेगी। बता दें कि इससे पहले रेलवे ने इस ट्रेन का संचालन 8 नवंबर को दुर्ग से और 9 नवंबर को हजरत निजामुद्दीन से करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे अब प्रीपोन कर दिया गया है। तारीखों के साथ-साथ रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और परिचालन व्यवस्था के तहत ट्रेन नंबरों में भी संशोधन किया हैः दुर्ग से हजरत निजामुद्दीनः पहले इस ट्रेन का नंबर 08751 था, जिसे अब बदलकर 08753 कर दिया गया है। हजरत निजामुद्दीन से दुर्गः वापसी में इस ट्रेन का नंबर पहले 08752 था, जिसे अब संशोधित कर 08754 कर दिया गया है। ग्वालियर और अंचल के यात्रियों को मिलेगा फायदा दीपावली और छठ पर्व के आसपास ट्रेनों में नियमित रूप से बढ़ रही भारी भीड़ को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। ग्वालियर स्टेशन पर रुकने वाली इस स्पेशल ट्रेन की तारीखें पहले होने से दिल्ली, आगरा, झांसी और छत्तीसगढ़ की तरफ जाने वाले दैनिक व त्योहारी यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने में सहूलियत होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने या टिकट बुक करने से पहले नए ट्रेन नंबर और संशोधित समय-सारणी की जांच अवश्य कर लें।

ग्रीन पटाखों का दावा कितना सही? खरीदार और दुकानदार दोनों को नहीं जानकारी

पटाखों पर हरे लोगो को देखकर खरीदारी, असली-नकली की पहचान से बेखबर लोग

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर





त्योहारी सीजन में हवा को प्रदूषण से बचाने के लिए 'ग्रीन पटाखों' की मांग तो बढ़ी है, लेकिन धरातल पर इनकी असली पहचान को लेकर भारी असमंजस बना हुआ है। हकीकत यह है कि ग्रीन पटाखे वास्तव में कैसे होते हैं और इनकी प्रामाणिकता की जांच कैसे की जाती है, इसकी स्पष्ट जानकारी न तो खरीदारों को है और न ही खुद सामान बेच रहे विक्रेताओं को। बाजार का आलम यह है कि जब कोई ग्राहक दुकानों पर जाकर ग्रीन पटाखों की मांग करता है, तो विक्रेता डिब्बे पर छपा एक साधारण 'ग्रीन' लोगो दिखाकर उन्हें पटाखा थमा देता है। इसके बाद चलने या फूटने पर वह पटाखा पर्यावरण के अनुकूल (ग्रीन) है या घातक, इसकी जांच करने वाला कोई तंत्र मौजूद नहीं है। खुद आतिशबाजी का कारोबार करने वाले दुकानदारों को भी ग्रीन पटाखों के बारे में सीमित और अधूरी समझ है। उन्हें सिर्फ इतना पता है कि इन पटाखों पर एक हरे रंग का लोगो बना होता है जिस पर 'ग्रीन क्रैकर्स' लिखा होता है। इसके अलावा वे इसके तकनीकी मानकों से पूरी तरह अनजान हैं। स्कैनर से खुलती है असली-नकली की पोल 'काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च' और 'नीरी'के मानकों के अनुसार, असली ग्रीन पटाखों की पहचान सिर्फ डिब्बे पर छपे लोगो से नहीं होती। प्रामाणिक ग्रीन पटाखों के हर पैकेट पर एक विशेष क्यूआर कोड / बारकोड अंकित होता है। जब ग्राहक या जांच अधिकारी या किसी भी क्यूआर स्कैनर से उस कोड को स्कैन करते हैं, तो पटाखे बनाने वाली रजिस्टर्ड कंपनी, लाइसेंस नंबर, केमिकल कंपोजिशन और फर्म की पूरी प्रामाणिक जानकारी तुरंत स्क्रीन पर आ जाती है। यदि डिब्बे पर बारकोड नहीं है या स्कैन करने पर विवरण प्रदर्शित नहीं होता है, तो वह ग्रीन पटाखा नहीं बल्कि सामान्य पटाखा ही है। पारंपरिक और ग्रीन पटाखों में अंतरः रासायनिक संरचनाः ग्रीन पटाखों में बेरियम नाइट्रेट जैसे हानिकारक रसायनों और भारी धातुओं का उपयोग बेहद सीमित या शून्य होता है। कम प्रदूषण और शोरः ये पटाखे आम पटाखों की तुलना में 30% तक कम उत्सर्जन करते हैं और इनमें आवाज का स्तर भी नियंत्रित रहता है। वॉटर वेपर तकनीकः इनमें से कुछ पटाखों में पानी की वाष्प छोड़ने वाले तत्व होते हैं, जिससे धूल और धुएं के कण हवा में फैलने के बजाय जमीन पर बैठ जाते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ मौका नहीं मिलने पर लिया फैसला

मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास



नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में नहीं चुने जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार (3 नवंबर) को संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 1ह्य फर्स्ट-क्लास क्रिकेट और लिस्ट-ए मैचों से भी संन्यास ले लिया है। वह बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलना जारी रखेंगे, क्योंकि उनके अनुबंध को 2027-28 सीजन तक बढ़ा दिया गया है। मैक्सवेल ने पिछले साल जून में ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहे। उन्होंने 2026 में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया, जहां उनकी टीम ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाई। फरवरी में ओमान के खिलाफ उस टूर्नामेंट का आखिरी मैच उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का भी आखिरी मैच साबित हुआ।

एमसीजी में खेलकर लेना चाहते थे विदाई

दो बार के वनडे विश्व कप विजेता और 2021 में ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व चैंपियन बनने पर विजयी रन बनाने वाले मैक्सवेल की इच्छा थी कि वह अपने घरेलू मैदान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अपने देश के लिए एक आखिरी बार मैदान में उतर पाते, लेकिन उनकी यह हसरत पूरी नहीं हो सकी।

ग्लेन मैक्सवेल ने क्या कहा?

मैक्सवेल ने 'द फाइनल वर्ड'पॉडकास्ट पर कहा,'टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार बातचीत हुई। और यह बातचीत काफी खुली थी। उस तरफ (ऑस्ट्रेलिया टीम मैनेजमेंट) से कोई दबाव नहीं था और हमने तय किया कि आगे के लिए रास्ते खुले रखे जाएं। कुछ सीरीज आने वाली थीं। वे भविष्य पर ध्यान देना चाहते थे और हमने बांग्लादेश में देखा कि वहां खिलाड़ियों को मौके मिले और उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।'

एमसीजी में खेलकर विदा होना चाहते थे मैक्सवेल

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि एक छोटी सी उम्मीद या शायद इस पर बात होनी चाहिए थी कि मुझे एमसीजी में एक विदाई मैच खेलने का मौका मिल सकता है, लेकिन इस टीम को लेकर वे जिस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं मैं उसे पूरी तरह समझ सकता हूं। मुझे लगता है कि अगले 12 से 24 महीनों में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे, खासकर इसलिए क्योंकि (2028 में) ओलंपिक है। ऐसे में उन्हें कुछ युवा खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय दबाव का अनुभव मिले। एक ऐसा अनुभव जो शायद हमेशा बीबीएल के मैचों में नहीं मिल पाता।'

इंग्लैंड सीरीज को लेकर क्या बोले मैक्सवेल

इंग्लैंड की टीम व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया आने वाली है, जिसमें मेलबर्न में होने वाला एक टी20 मैच भी शामिल है। मैक्सवेल के मन में इस सीरीज के लिए खुद को तैयार करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, 'यह एक विकल्प था, लेकिन मैं अपने घुटने में इंजेक्शन लगवाने के लिए भी तैयार था, ताकि यह पक्का हो सके कि मैं बीबीएल के लिए फिट रहूं। दोनों ही स्थितियों में कुछ न कुछ सकारात्मक था। जैसे ही वह मौका हाथ से निकल गया, मुझे अपने शरीर पर फिर से ध्यान देने का समय मिल गया।

बीबीएल के लिए तैयारी

मैक्सवेल ने आगे कहा, 'अब मैं 8 हफ्तों तक अच्छे से रिहैब करूंगा, ताकि मैं पूरी तरह मजबूत हो जाऊं और आने वाले बीबीएल के लिए तैयार रहूं। यह कुछ-कुछ उस परीकथा जैसा है, जिसमें आप अपने हीरो या आदर्शों को ऐसी स्थितियों से गुजरते हुए देखते हैं। आपका मन भी उसी दिशा में सोचने लगता है। शायद ही कोई और फॉर्मेट होता जिसके लिए मैं ऐसी इच्छा रखता, सिवाय इसके, जहां पिछले 15 सालों से मुझे बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस होता रहा है।'

ग्लेन मैक्सवेल का करियर

ग्लेन मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 130 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 154.42 के स्ट्राइक रेट से 2897 रन बनाए हैं और 51 विकेट लिए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम पांच शतक हैं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड में वे रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में सात मैच खेले हैं, जिनमें से आखिरी मैच 2017 में था और कुल 339 रन बनाए हैं। रांची में भारत के खिलाफ बनाया गया 104 रनों का स्कोर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है।

भारत-पाकिस्तान मैच का गजब जुनून, 84 लाख लोगों को चाहिए टिकट



भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट को लेकर मारामारी

क्रिकेट में हालांकि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले से बढ़कर कोई राइवेलरी नहीं रही है. खासकर तब जब मुकाबला वर्ल्ड कप का हो तो और भी. लेकिन, इस सिक्के का दूसरा पहलू ये भी है कि हाल के दिनों में इन दो चिर-प्रतिद्वन्दियों में घमासान एकतरफा ही दिखा है. पिछली 9 भिड़ंत में पलड़ा भारत का झुका रहा है. पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आखिरी जीत 2022 के एशिया कप में हासिल की थी.

नई दिल्ली, एजेंसी। जरा सोचिए कि अगले साल 10 अक्टूबर को क्या होगा? ऐसा इसलिए क्योंकि अगले साल 10 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान मैच है, जिसके टिकट 84 लाख लोगों को चाहिए. भारत-पाकिस्तान के बीच 10 अक्टूबर 2027 को मुकाबला वनडे वर्ल्ड कप में खेला जाएगा, जो कि जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर होगा. अब हैरानी इसलिए है क्योंकि वांडरर्स मैदान की क्षमता सिर्फ 34000 दर्शकों की है. ICC मेंस वनडे वर्ल्ड कप 2027 का फाइनल भी जोहानिसबर्ग के वांडरर्स मैदान पर ही 21 नवंबर को होना है, जिसके लिए कुल 9 लाख लोग टिकट की होड़ में हैं. टूर्नामेंट की शुरुआत 7 अक्टूबर को होगी, जो कि 2023 वर्ल्ड कप के फाइनल का ही रिपीट होगा. मतलब उसमें ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमें आमने-सामने होंगी.

भारत-पाक के ग्रुप में ये टीमें – भारत और पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के साथ एक ग्रुप में हैं. वहीं इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दूसरे ग्रुप में. ग्रुप स्टेज से दोनों ग्रुप से टॉप श्री टीम के अलावा बेस्ट चौथे नंबर की टीम सुपर-7 स्टेज में जाएगी, जहां से टॉप की 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेगी.

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026

भारत ने दक्षिण कोरिया को 8-0 से रौंदा

लगातार 5वीं जीत के साथ शीर्ष पर रहा, दिलप्रीत सिंह ने दागे 2 गोल



नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 हॉकी टूर्नामेंट में गत चैंपियन भारत का अजेय अभियान जारी है। भारतीय टीम ने सोमवार दो नंवबर 2026 को अपने पांचवें और आखिरी राउंड रॉबिन मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 8-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। भारत की ओर से दिलप्रीत सिंह ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, संजय और अंगद बीर सिंह ने 1-1 गोल किया।

टूर्नामेंट का अंतिम चरण अब मोहाली में होगा। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल मैच में बुधवार को भारत का सामना फिर दक्षिण कोरिया से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल मैच में मलेशिया का सामना जापान से होगा।

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के बाद जापान, एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता मलेशिया और दक्षिण कोरिया का स्थान रहा। इससे पहले भारत ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश को 13-0, चीन को 5-2, जापान को 4-1 और मलेशिया को 4-2 से हराया था। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह (8वें और 40वें मिनट) ने दो गोल किये, जबकि भारत के लिए अन्य गोल जुगराज सिंह (11वें), हरमनप्रीत सिंह (15वें), शिलानंद लकड़ा (33वें), सुखजीत सिंह (34वें), संजय (36वें) और अंगद बीर सिंह (60वें) ने किये।

भारतीय टीम ने शानदार शुरुआत की और चौथे मिनट में ही गोल करने का पहला प्रयास किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पास पर सुखजीत सिंह ने सर्कल के ऊपरी हिस्से से एक 'रिवर्स हिट' लगाई, लेकिन दक्षिण कोरिया के सतर्क गोलकीपर जेह्योन किम ने उसे अपने दस्तानों से रोक दिया। चार मिनट बाद भारत ने दिलप्रीत सिंह के जरिये बढ़त बना ली। जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उन्होंने एक बेहतरीन रिवर्स हिट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। कोरियाई टीम जब 11वें मिनट में लगातार मिले पेनल्टी कॉर्नर्स का फायदा उठाने में नाकाम रही तब जुगराज ने रिबाउंड पर गोल कर दिया और भारत ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी।

फॉर्म में लौटे यशस्वी जायसवाल

टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन दूर हो गई है. भारतीय टीम की टेंशन यशस्वी जायसवाल के फॉर्म को लेकर थी, जो पिछली कुछ टेस्ट पारियों से हिचकोले खा रही थी, पिछली 9 पारियों में से 4 में तो वो खाता भी नहीं खोल पाए थे. लेकिन, अब सब ठीक है. यशस्वी फॉर्म में लौट आए हैं, जिसका प्रमाण है न्यूजीलैंड ए के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के आखिरी दिन उनके बल्ले से निकला शतक. यशस्वी ने ना सिर्फ धमाकेदार शतक जड़ा है बल्कि इस दमदार पारी के दौरान फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.

दर्द के आगे शतक है – यशस्वी जायसवाल को शतक तक पहुंचने के दौरान दर्द का भी सामना करना पड़ा. ये दर्द उन्हें तब मिला जब वो 87 रन पर खेल थे और दूसरी पारी में इंडिया ए की इनिंग का 32वां ओवर चल रहा था. न्यूजीलैंड ए के गेंदबाज जेरॉड मकॉय ने इस ओवर की दूसरी गेंद बाउंसर फेंकी, जो सीधा जाकर उनके हेलमेट पर जोर से लगी. गेंद हेलमेट पर लगने के बाद यशस्वी को दर्द हुआ और वो थोड़े परेशान दिखे. उनका कनकशन टेस्ट हुआ. कनक्शन जांच के बाद हालांकि वो खेलने के लिए फिट पाए गए.

ये शतक नहीं 9 पारियों की नाकामी का अंत है – यशस्वी जायसवाल के लिए क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ जमाया शतक कितना खास है, उसका अंदाजा पिछली 9 पारियों के उनके आंकड़े देखकर लगाया जा सकता है. उन 9 पारियों में उनके नाम 4 डक के अलावा सिर्फ 1 फिफ्टी प्लस स्कोर है. उन 9 पारियों में 3 पारियां तो यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ ही खेली, जिसमें सिर्फ 21 रन उनके खाते में आए. लेकिन, अब न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चौथी पारी में उन्होंने वो शतक जड़ दिया है, जो टीम इंडिया के साथ साथ करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस को सुकून देने वाला है.

18 शतक, 5000 रन और यशस्वी जायसवाल

यशस्वी जायसवाल ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ 119 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. उन्होंने शतक की दहलीज 99 रन के स्कोर पर छक्का लगाते हुए लांघी. ये उनके फर्स्ट क्लास करियर का 18वां शतक रहा. इस शतकीय पारी के दौरान ही यशस्वी जायसवाल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपने 5000 रन भी पूरे किए.



न्यूजीलैंड दौरा खत्म...

सूर्यवंशी के सामने नई परीक्षा!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को ज्यादा मौके नहीं मिले. 15 साल के वैभव सिर्फ दूसरे और तीसरे मुकाबले में खेलने उतरे क्योंकि ईशान किशन चोटिल थे. वैभव ने क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए 4 रन बनाए. फिर वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में वैभव को ओपनिंग करने का मौका मिला तो उन्होंने गदर काट दिया. वैभव ने 4 छक्के और चार चौके की मदद से सिर्फ 19 बॉल पर 45 रन ठोक दिए. बाकी के तीन मुकाबलों में वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया, जिसे लेकर सवाल खड़े हुए.



अब भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. फिर दो मैचों की टेस्ट सीरीज का भी आयोजन भी होना है. 'बेबी बॉस' के नाम से मशहूर वैभव इन दोनों सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं हैं, ऐसे में वो भारत लौट रहे हैं. हालांकि वैभव सूर्यवंशी क्रिकेटिंग एक्शन से ज्यादा दूर नहीं रहने वाले हैं. 14 नवंबर से घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 की शुरुआत हो रही है. ऐसे में पूरी उम्मीद है कि वैभव भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे. बिहार की टीम इस टूर्नामेंट के लिए घोषित नहीं हुई है, लेकिन वैभव का सेलेक्शन लगभग तय है. SMAT के आगामी सीजन में बिहार को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है.

प्रेमा रावत ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। छक्के-चौकों की बारिश, जो बॉल सामने आई उसे बाउंड्री के पार पहुंचाया. उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में ऐसा ही कमाल किया. दाएं हाथ की इस तूफानी बल्लेबाज ने हैदराबादी गेंदबाजों की धुनाई करते हुए सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया जो कि महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है. प्रेमा रावत ने पाकिस्तान की फातिमा सना का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था. अब ये रिकॉर्ड प्रेमा के नाम है.

प्रेमा ने ऐसे ठोका सबसे तेज अर्धशतक – प्रेमा रावत चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरी. इस खिलाड़ी ने पहली गेंद डॉट खेली और उसके बाद छक्के चौकों की झड़ी लगा दी. प्रेमा ने दूसरी, तीसरी और चौथी गेंद पर चौका लगाया. इसके बाद उन्होंने एक गेंद डॉट खेली. अगली गेंद पर छक्का लगाने के बाद उनसे एक बॉल और डॉट हुई. प्रेमा ने इसके बाद अगली 7 गेंदों पर 3 छक्के, 3 चौके और एक डबल लिया. इसके साथ ही उन्होंने 14 गेंदों में अर्धशतक जमा दिया. प्रेमा रावत ने अपनी 14 गेंदों की फिफ्टी में तीन गेंद डॉट खेली. अगर ऐसा ना होता तो सोचिए प्रेमा 11 गेंदों में अर्धशतक लगा सकती थीं.



प्रेमा रावत कौन हैं? – प्रेमा रावत उत्तराखंड के बागेश्वर जिले की रहने वाली हैं. उनके पिता केदार सिंह रावत भारतीय वायुसेना में हैं. प्रेमा ने गांव के खेतों में भाइयों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू किया. प्रेमा का सफर आसान नहीं रहा. वो पहले एथलेटिक्स और फिर हॉकी खेलती थीं. उन्होंने राज्य स्तर और स्कूल गेम्स में हॉकी में हिस्सा लिया है. 12वीं क्लास के बाद उन्होंने पिता के साथ बातचीत के बाद क्रिकेट पर पूरा फोकस किया. परिवार ने उनका साथ दिया और घरेलू क्रिकेट में उत्तराखंड महिला टीम के लिए खेलना शुरू किया. 2023 सीनियर वीमेंस टी20 ट्रॉफी में उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए. उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2024 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनीं. इसके बाद डब्ल्यूपीएल 2025 में उन्हें आरसीबी ने 1.2 करोड़ की बड़ी कीमत पर खरीदा.

चोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

पांच खिलाड़ी संयुक्त बढ़त पर, प्रणेश और नारायणन भी शीर्ष पर पहुंचे



चेन्नई, एजेंसी। पहले चोला चेस ओपन इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे राउंड के बाद खिताबी दौड़ और रोमांचक हो गई है। अब पांच खिलाड़ी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। ये हैं ग्रैंडमास्टर कार्तिकेयन मुरली, ग्रैंडमास्टर लियोन ल्यूक मेंडोंसा, अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर सैमवेल टेर-सहक्यान, ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम. और ग्रैंडमास्टर एस.एल. नारायणन। पहले बोर्ड पर कार्तिकेयन मुरली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा आमने-सामने थे। दोनों ने अब तक अपनी सभी बाजियां जीती थीं और यह मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरे बोर्ड पर शीर्ष वरीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने काले मोहरों से खेलते हुए टेर-सहक्यान से अंक बांटे। यह अरविंद का लगातार दूसरा ड्रॉ रहा। अब वे 3 अंकों के साथ बढ़त से आधा अंक पीछे हैं।



अब भारत-न्यूजीलैंड में ODI की जंग, ROKO का होगा दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 सीरीज 3-2 से जीतने के बाद भारतीय टीम अब न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरेगी. दोनों देशों के बीच पांच मैचों की सीरीज आज से शुरू होगी. इस दौरे पर टीम इंडिया की नजरें 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों पर भी रहेंगी. सीरीज का पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में है, जबकि आखिरी मैच 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में होगा. भारत ने अपनी पिछली वनडे सीरीज में वेस्टइंडीज को घरेलू मैदान पर 2-1 से हराया था. अब टीम की कोशिश न्यूजीलैंड में तीसरी बार द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने की होगी. वहीं, न्यूजीलैंड ने अपना पिछला वनडे दौरा जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था, जहां उसने पांच मैचों की सीरीज 3-2 से जीती थी.

भारत की कप्तानी में होगा बदलाव – भारतीय टीम की कप्तानी शुरुआती तीन वनडे में शुभमन गिल करेंगे. आखिरी दो मुकाबलों में श्रेयस अय्यर कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे. जसप्रीत बुमराह को इस सीरीज से आराम दिया गया है. वहीं, चोटिल प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शुरुआती तीन वनडे के लिए औकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है.

पहले तीन वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर और हेनरी निकोल्स.

आखिरी दो वनडे के लिए: मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट.

भारत की वनडे टीम: पहले तीन वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहला वनडे).

चौथे और पांचवें वनडे के लिए अपडेटेड स्क्वॉड: श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित

अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसने के निर्देश, नशा मुक्ति अभियान होगा तेज

एक सत बुलेटिन, मुरैना



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को समत्व भवन भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने दीपावली एवं गोवर्धन पर्व के मद्देनजर कानून-व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा स्वामित्व योजना के अंतर्गत लंबित पंजीयन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सुचारू रूप से उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। उर्वरक वितरण व्यवस्था की सतत निगरानी की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। मुख्यमंत्री ने नशे के विरुद्ध प्रभावी अभियान संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री एवं निर्माण में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय पर भी सख्ती से रोक लगाई जाए। उन्होंने नशा मुक्ति अभियान के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 'नशे से दूरी है जरूरी' कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं एवं संचालन को बेहतर बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी नियमित रूप से छात्रावासों का भ्रमण करें तथा वहां रहने वाले विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करें। अधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों को कैरियर एवं विषय चयन के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोवर्धन पूजन के अवसर पर गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के अंतर्गत चयनित विजेता पशुपालकों को पुरस्कार राशि वितरित करने के लिए गौशालाओं में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 09 नवम्बर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से योजना के विजेता पशुपालकों के खातों में पुरस्कार राशि अंतरित की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान एनआईसी कक्ष मुरैना में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा, अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत सहित कृषि, आबकारी, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विद्यार्थियों को दी विधिक जानकारी



एक सत बुलेटिन, मुरैना

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्रीमती संगीता मदान के मार्गदर्शन में साप्ताहिक कार्यक्रम सुरक्षित बचपन अभियान के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय छौंदा एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय जौरा में विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुरैना श्री दिनेश सिंह राणा ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन तथा 'बोलो, बताओ और बचाओ' अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को नालसा की 'बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना' के बारे में बताते हुए उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए नालसा की हेल्पलाइन नंबर 15100 के उपयोग के बारे में बताया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने, नियमित दिनचर्या अपनाने तथा पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के लिए समय प्रबंधन का महत्व समझाया। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री आशीष शर्मा ने बच्चों को आयु निर्धारण की प्रक्रिया एवं इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 : ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने जिला पंचायत व स्वास्थ्य विभाग ने की पहल



एक सत बुलेटिन, मुरैना

जिले में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के अंतर्गत अब ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने की दिशा में विशेष पहल की जा रही है। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अभियान को ग्रामीण स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने एवं ग्राम पंचायतों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी क्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश कुमार भार्गव की उपस्थिति में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री एस.पी. श्रीवास्तव एवं जिला नोडल अधिकारी (राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम) डॉ. सत्येंद्र कौरव उपस्थित रहे। बैठक में जिले की ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त बनाने तथा युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने की पहल बैठक में मुख्य रूप से ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले पंचायत कार्यालयों, शासकीय विद्यालयों एवं अन्य शासकीय भवनों को तंबाकू मुक्त परिसर के रूप में विकसित करने पर चर्चा की गई। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर तंबाकू नियंत्रण संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन एवं उपयोग के विरुद्ध जागरूकता गतिविधियां संचालित करने पर जोर दिया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव के साथ हुई चर्चा में ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता से अभियान को ग्रामीण स्तर तक प्रभावी बनाने तथा पंचायतों एवं स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। कोटपा अधिनियम के प्रावधानों के प्रति किया जाएगा जागरूक अभियान के अंतर्गत कोटपा अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के प्रति आमजन को जागरूक करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन एवं उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। साथ ही युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देकर उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वस्थ एवं तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करना तथा ग्राम पंचायतों को तंबाकू नियंत्रण की दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है।

डीआईजी चंबल के साथ कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण

दतिया! मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध धार्मिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र माता रतनगढ़ वाली मंदिर पर दीपावली दौज के अवसर पर आयोजित होने वाले विशाल लख्खी मेले की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग पूरी तरह सक्रिय है। मेले में देश के विभिन्न क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन, यातायात प्रबंधन एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी क्रम में आज बुधवार को डीआईजी चंबल श्री सुनील कुमार जैन ने कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े एवं पुलिस अधीक्षक श्री मयूर खंडेलवाल के साथ माता रतनगढ़ वाली मंदिर एवं संपूर्ण मेला क्षेत्र का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। उक्त अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में पहुंचकर एक-एक व्यवस्था का अवलोकन किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं व्यवस्थाओं से जुड़े ठेकेदारों से जानकारी प्राप्त की। 350 एकड़ भूमि में 22 पार्किंग स्थल विकसित मेले के दौरान प्रशासन द्वारा लगभग 350 एकड़ भूमि में विकसित कराए गए 22 पार्किंग स्थलों, 50 किलोमीटर क्षेत्र में की गई प्रकाश व्यवस्था, स्नान स्थलों, नदी में लगाए गए सुरक्षा महाजाल, सर्पदंश पीड़ित श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए बनाए गए विशेष मार्ग तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का संयुक्त निरीक्षण किया गया।

परेड चौराहे का डिवाइडर दो पहिया वाहनों के लिए खुलेगा, अपर कलेक्टर ने व्यापारी संघ, पुलिस और नगर पालिका की सहमति से लिया निर्णय

बाजार में दुकानों के सामने फड़ और हाथ ठेला लगाने वालों पर होगी चालानी कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



कलेक्टर श्री पवन जैन के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया की अध्यक्षता में व्यापारी संघ, पुलिस, यातायात और नगर पालिका के बीच समन्वय बैठक कार्यालय अपर कलेक्टर में आयोजित हुई। बैठक में शहर की ट्रैफिक व्यवस्था और दीपावली के दृष्टिगत बाजार में आवागमन सुगम बनाने पर सहमति बनी। व्यापारी संघ ने बताया कि परेड चौराहे पर सीमेंटेड अस्थाई ब्लॉक रखकर बनाए गए डिवाइडर से मुख्य बाजार में आने-जाने में नागरिकों को परेशानी हो रही है और व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। संघ की मांग पर सभी पक्षों की सहमति से निर्णय लिया गया कि दीपावली के दौरान परेड चौराहे का डिवाइडर दोपहिया वाहनों के निकलने के लिए खोला जाएगा। अपर कलेक्टर श्री नाडिया ने कहा कि त्योहार के समय बाजार में नागरिकों की भीड़ और व्यापार दोनों बढ़ते हैं। आम नागरिकों और व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। दीपावली के बाद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त दल मुख्य बाजार का भ्रमण कर सिग्नल व बैरिकेट लगाने के स्थान चिन्हित करेगा और इसके बाद पुनः बैठक कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। अपर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाजार में दुकानों के सामने किसी भी प्रकार का फड़ या हाथ ठेला न लगाया जाए। नियम तोड़ने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों और नागरिकों के परस्पर सहयोग से ही शहर की व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक श्री निरंजन सिंह राजपूत, नगर पालिका भिण्ड के सीएमओ श्री वीरेन्द्र चक्रवर्ती, यातायात प्रभारी श्री राघवेन्द्र भार्गव सहित व्यापारी संघ के पदाधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपावली त्यौहार एवं रतनगढ़ माता मंदिर पर लगने वाले मेले के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की जा रही निरंतर जांच

एक सत बुलेटिन, दतिया



कलेक्टर स्वप्निल वानखडे के निर्देशानुसार आगामी दीपावली त्यौहार एवं रतनगढ़ माता मंदिर पर लगने वाले लक्खी मेले को मद्देनजर रखते हुए खाद्य पदार्थों की निरंतर जांच की जा रही है। इसी क्रम में आज बुधवार को माता रतनगढ़, दतिया पर संचालित प्रसाद की दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लगभग 10 प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जांच के दौरान 2 प्रतिष्ठान पर लगभग 12 किलो मिठाई अमानक एवं खराब पाई गई। जिसमें 2 किलो पेड़ा, 5 किलो बेसन की बर्फी और 5 किलो मावा बर्फी शामिल है। जिसको मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही अन्य प्रतिष्ठानों को स्वच्छता बनाए रखने एवं गुणवत्तापूर्ण प्रसाद विक्रय के निर्देश दिये गए। निरीक्षण दल में अपर नागरिक आपूर्ति अधिकारी, सनत शुक्ला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुनील शर्मा, श्रीमती सविता सक्सेना एवं बी.के. शिरोमणि उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं सुरक्षित प्रसाद उपलब्ध हो, इस हेतु प्रशासन द्वारा सतत निगरानी जारी रखी जावेगी।

मध्यस्थता रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में संचार कौशल एवं सौदेबाजी की तकनीकों पर दिया गया प्रशिक्षण

दतिया! प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय चंद्र एवं श्री राजेश भंडारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में मध्यस्थता प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, संवादपरक एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से आयोजित मध्यस्थता रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस में मास्टर ट्रेनर श्रीमती अनुजा सक्सेना एवं सहायक प्रशिक्षक सुश्री संगीता श्रीवास्तव द्वारा प्रतिभागियों को मध्यस्थता में संचार कौशल एवं सौदेबाजी की विभिन्न तकनीकों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में कम्युनिकेशन मेडिएशन विषय पर चर्चा करते हुए संचार के मूलभूत तत्वों एवं उसकी प्रक्रिया को समझाया गया। प्रभावी एवं अप्रभावी संचार, मौखिक एवं गैर-मौखिक संचार तथा संवाद के दौरान आने वाली बाधाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में कम्युनिकेशन स्किल्स के अंतर्गत सक्रिय रूप से सुनने निष्पक्षता बनाए रखते हुए सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार, शारीरिक हाव-भाव एवं प्रभावी प्रश्न पूछने की कला के महत्व को समझाया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि एक कुशल मध्यस्थ के लिए पक्षकारों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनना, उनकी भावनाओं को समझना तथा निष्पक्ष रहकर संवाद स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है। तृतीय सत्र में बार्गेनिंग की विभिन्न तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए डिस्ट्रिब्यूटिव बार्गेनिंग, इंटीग्रेटिव बार्गेनिंग एवं इंटरेस्ट बेस्ड बार्गेनिंग के बारे में जानकारी दी गई।

सीएसआर फंड के उपयोग से स्मार्ट बनेंगी जिले की हाई स्कूल कक्षाएं

ग्वालियर व्यापार मेला में सहभागिता करें मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपति: अध्यक्ष जादौन

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



ग्वालियर मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन ने बताया कि ग्वालियर व्यापार मेले उद्योगों के प्रचार-प्रसार तथा मार्केटिंग का बहुत बड़ा मंच है। मेले का ऐतिहासिक महत्व है जो 120 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था और गत वर्ष 1 करोड़ से अधिक व्यक्ति शामिल हुए थे। उन्होंने मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों को ग्वालियर व्यापार मेला में सहभागिता करने और अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि मेला प्राधिकरण के वित्त पोषण के संसाधन सीमित हैं जिसके कारण इसकी अधोसंरचना का रखरखाव ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है। उन्होंने उद्योगपतियों से मेला प्राधिकरण की अधोसंरचना सुधारने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि व्यापार मेला के अलावा भी वोकल फॉर लोकल पर आधारित स्वदेशी मेला, प्रदर्शनी, इत्यादि के लिए मेला प्राधिकरण उद्योगों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। कलेक्टर श्री पवन जैन ने कहा कि मालनपुर को मंडीदीप और पीथमपुर की तरह पहचान दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उद्योग और जिला प्रशासन के आपसी समन्वय से मालनपुर की संभावनाओं का पूरा लाभ क्षेत्र की जनता को दिलाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि उद्योगों के परिवहन, पार्किंग, सुरक्षा, लेबर, टैक्स, इत्यादि सभी मुद्दों पर जिला प्रशासन का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। कलेक्टर श्री जैन ने बताया कि मालनपुर के उद्योगों के लिए कुशल श्रमिकों की आवश्यकता को ध्यान में रख कर जिला प्रशासन द्वारा सीएसआर फंड के अभिनव उपयोग के लिए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र के पूर्व जिले के 6 ब्लॉक और जिला मुख्यालय में स्थित अधिक दर्ज संख्या वाले विद्यालय चिन्हित कर सीएसआर फंड से 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं स्मार्ट बनाई जाएंगी, जिससे छात्रों को गुणवत्तायुक्त और व्यावसायिक शिक्षा मिल सके। उद्योगों के संसाधनों से इन स्मार्ट विद्यालयों में अधोसंरचना, शिक्षण और नियंत्रण स्थापित कर एक वर्ष के भीतर इन्हें आदर्श विद्यालयों के रूप संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वाश-आन-व्हील्स की तर्ज पर आंगनवाड़ियों, विद्यालयों और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था सुधारी जाएगी जिससे विद्यार्थियों में स्वच्छता का भाव विकसित होगा। उन्होंने बताया कि नई नीति अंतर्गत सीएसआर फंड के उपयोग के लिए राज्य शासन को 30 नवंबर तक प्रस्ताव भेजे जाने हैं। बैठक में कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी ग्वालियर-चम्बल संभाग श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव, महाप्रबंधक श्री ब्रज मरकाम, एसडीएम गोहद श्री विकास कैमोर सहित अन्य अधिकारी और मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र के लगभग 30 उद्योगपति सम्मिलित हुए।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए

स्वदेशी केवल नारा नहीं, इसे दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लें : राज्यपाल पटेल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



स्वदेशी केवल लोकल फॉर वोकल' का नारा सुनने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को इस बात पर ध्यान देना होगा कि सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक वह अपने दैनिक जीवन में कितनी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करता है। देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देना और स्वदेशी उत्पादों को अपनाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। यह बात मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई छगनभाई पटेल ने बुधवार को स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन द्वारा शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय परिसर में आयोजित स्वदेशी मेले के समापन अवसर पर कही। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि देशभर में अब तक स्वदेशी जागरण मंच द्वारा 800 मेले आयोजित किए जा चुके हैं। भोपाल में दूसरे वर्ष आयोजित इस मेले में 200 से अधिक स्टॉल लगाए गए और बिक्री भी अच्छी हुई। यह लघु उद्यमियों के लिए उत्साहजनक बात है। मेले में स्थानीय उत्पादों और महिला उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी देखकर प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का मानना था कि राष्ट्र सेवा और स्वावलंबन की नींव स्वदेशी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वदेशी की भावना को लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है। पटेल ने कहा कि मेले में आने वाले लोगों को केवल स्वयं स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर नहीं रुकना चाहिए, बल्कि अपने घर और आसपास के लोगों को भी बताना चाहिए कि उन्होंने मेले से कौन-कौन से स्वदेशी उत्पाद खरीदे हैं। इससे स्वदेशी का भाव अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए पूरे मेला परिवार को बधाई दी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नगर ने भोपाल में दूसरे वर्ष स्वदेशी मेले के सफल आयोजन के लिए स्वदेशी जागरण मंच को बधाई दी।

स्वामित्व योजना से मिला भू-अधिकार, अब अपने भूखंड पर मिलेगा योजनाओं का लाभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्र के भू-धारकों को उनके भूखंड का विधिवत अधिकार प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। योजना के तहत ग्राम पंचायत त्योदा के भू-धारक हितग्राही श्री दर्पण नामदेव और श्री सोनू साहू को उनके भूखंड का भू-अधिकार प्राप्त हुआ। भू-अधिकार मिलने के बाद उनके भूखंड की रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूर्ण हुई। अब वे अपने स्वामित्व वाले भूखंड पर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही, भूखंड के वैध दस्तावेज उपलब्ध होने से आवश्यकता पड़ने पर बैंक से ऋण प्राप्त करने का अवसर भी मिलेगा। इससे उन्हें आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने में मदद मिलेगी। हितग्राहियों ने स्वामित्व योजना के माध्यम से भू-अधिकार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अपने भूखंड का अधिकार और उसके वैध दस्तावेज मिलना उनके लिए आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गांजे की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार, 1800 ग्राम गांजा जब्त

बैरसिया।



अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नजीराबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ग्राम गढ़ाकला में कार्रवाई करते हुए गांजा बेचने की फिराक में खड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 1 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद किया गया है जिसकी अनुमानित कीमत 40 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 3 नवंबर 2026 को थाना नजीराबाद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम गढ़ाकला में दो व्यक्ति गांजा लेकर ग्राहक को बेचने के इंतजार में खड़े हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी साहबाज खान ने तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना किया। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 1 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं, पटाखा व आतिशबाजी में सावधानी बरतें

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं। कंपनी ने सभी पटाखा व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी के नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे पटाखे व आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें। कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा हेतु उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है। कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी, पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।

नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अग्निवीरों के लिए सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी दो साल बढ़ाने पर प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्रि-परिषद् द्वारा बुधवार को देश के अग्निवीरों के लिए सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी को मंजूरी देने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक्स' पर कहा कि इस दूरदर्शी निर्णय के अंतर्गत चार वर्ष की प्रारंभिक सेवा पूर्ण करने वाले अग्निवीरों को निर्धारित चयन मानदंडों के आधार पर दो वर्ष की अतिरिक्त राष्ट्रसेवा का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि योग्य एवं इच्छुक अग्निवीरों को पहले की तरह सेना के नियमित कैडर में शामिल होने का अवसर भी मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्णय देश की युवा शक्ति को सुदृढ़ और राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

कर प्रणाली होगी सरल और पारदर्शी, व्यापारियों को मिलेगी राहत- प्रधान आयकर आयुक्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भोपाल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन की ओर से एमपी नगर स्थित निसर्ग होटल में आयकर अधिनियम 2025 के नए प्रावधानों और संशोधनों को लेकर विशेष परिचर्चा 'आयकर अधिनियम 2025- मंथन' का आयोजन किया गया। इसमें आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अधिवक्ताओं और कर सलाहकारों ने भाग लिया। परिचर्चा में मुख्य रूप से विदेशी संपत्तियों के खुलासे और एडवांस टैक्स के समय पर भुगतान पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत एसोसिएशन के अध्यक्ष मुनिन्द्र वैद्य ने की। उन्होंने व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे विभागीय अधिकारियों के समक्ष बिना संकोच अपनी जिज्ञासाएं रखें और नए प्रावधानों को समझें। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य व्यापारियों और आयकर विभाग के बीच संवाद एवं समन्वय बढ़ाना है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रधान आयकर आयुक्त सृजनी मोहंती (आईआरएस) ने कहा कि नए संशोधनों का उद्देश्य कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाना है, जिससे ईमानदार करदाताओं को सुविधा मिल सके। उन्होंने समय पर कर जमा करने को राष्ट्रहित में योगदान बताते हुए सभी से अपनी कर संबंधी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। व्यापारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे विशिष्ट अतिथि संयुक्त आयकर आयुक्त सौरभ शर्मा ने अधिनियम के नए प्रावधानों की जानकारी दी और आश्वस्त किया कि विभाग व्यापारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगा। कार्यक्रम संयोजक आयकर अधिकारी आशीष मोदगिल ने कहा कि नए नियमों को लेकर किसी भी प्रकार की जिज्ञासा के समाधान के लिए विभाग के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने व्यापारियों और कर सलाहकारों से निर्धारित समय पर एडवांस टैक्स जमा करने की अपील की, ताकि ब्याज और विभागीय कार्रवाई से बचा जा सके। आयकर इंस्पेक्टर प्रकाश यादव ने फॉरेन असेट्स डिस्क्लोजर स्कीम 2026 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत पात्र छोटे करदाता अपनी विदेशी संपत्तियों का खुलासा 31 दिसंबर 2026 तक कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के बाद खुलासा नहीं करने पर नियमानुसार भारी शास्ति का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नए संशोधनों का स्वागत करते हुए छोटे व्यापारियों के लिए सरल दिशा-निर्देश और जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता बताई।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

भोपाल। 2 नवंबर, 2026: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 6.50 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 13% की बढ़ोतरी है। अक्टूबर 2026 में घरेलू बिक्री 6.64 लाख यूनिट रही, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 5.98 लाख यूनिट से 11% ज़्यादा है। अक्टूबर 2026 में एक्सपोर्ट 0.69 लाख यूनिट रहा, जो अक्टूबर 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.51 लाख यूनिट से 35% ज़्यादा है। स्त्रङ्क27 (अप्रैल-अक्टूबर 2026) के साल-दर-साल के समय के लिए, एचएमएसआईने कुल 41.74 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 36.44 लाख यूनिट्स से 15% ज़्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 37.08 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 32.80 लाख यूनिट्स की तुलना में 13% ज़्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 4.65 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान एक्सपोर्ट की गई 3.63 लाख यूनिट्स से 28% ज़्यादा है।

भोपाल रेल मंडल क्षेत्र के सांसदों के साथ महाप्रबंधक की बैठक सम्पन्न

नई ट्रेनों, ठहराव, स्टेशन पुनर्विकास एवं रेल अधोसंरचना के विकास पर सांसदों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक के साथ भोपाल रेल मंडल क्षेत्र के माननीय सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार, 04 नवम्बर 2026 को आयोजित की गई। माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद बैतूल श्री दुर्गा दास उईके की अध्यक्षता में सम्पन्न इस बैठक में यात्री सुविधाओं के विस्तार, नई रेल सेवाओं, ट्रेनों के ठहराव, स्टेशन पुनर्विकास, रेलमार्गों के निर्माण तथा रेल सुरक्षा एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद बैतूल श्री दुर्गा दास उईके, सांसद राजगढ़ श्री रोडमल नागर, सांसद होशंगाबाद (नर्मदापुरम) श्री दर्शन सिंह चौधरी, सांसद राज्य सभा नर्मदापुरम श्रीमती माया नारोलिया, सांसद सागर डॉ. लता वानखेड़े, सांसद ग्वालियर श्री भारत सिंह कुशवाह, सांसद राज्य सभा सागर श्री रजनीश कुमार अग्रवाल, सांसद राज्य सभा श्री अशोक सिंह एवं सांसद भोपाल श्री आलोक शर्मा के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में अन्य सांसदों ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने सभी माननीय सांसदों का स्वागत किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना तथा भोपाल-रामगंजमंडी नई रेल लाइन सहित विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की जानकारी दी। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भोपाल मंडल में संचालित विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। सांसदों ने क्षेत्रीय रेल विकास एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार पर दिए सुझाव माननीय सांसद-होशंगाबाद (नर्मदापुरम) श्री दर्शन सिंह चौधरी ने हजरत निजामुद्दीन-मुंबई सी.एस.एम.टी.-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस, लोकमान्यतिलक टर्मिनस-हरिद्वार-लोकमान्यतिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, इंदौर-नागपुर-इंदौर त्रि-शताब्दी एक्सप्रेस का इटारसी स्टेशन पर हाल्ट, बनारस-हड़पसर (पुणे)-बनारस अमृत भारत एक्सप्रेस, कर्नाटका एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस, पुष्पक एक्सप्रेस, सूरत-थावे जंक्शन-सूरत ताप्ती गंगा एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस का बानापुरा स्टेशन पर हाल्ट एवं इटारसी एवं पोवारखेड़ा स्टेशन के समीप निर्माणधीन रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने एवं अन्य महत्वपूर्ण यात्री सुविधाओं के संबंध में सुझाव दिए। श्रीमती माया नरोलिया माननीय सांसद-राज्यसभा,मध्यप्रदेश (नोडल जिला-नर्मदापुरम) ने कामायनी एक्सप्रेस, ताप्ती गंगा एक्सप्रेस, तुलसी एक्सप्रेस का बानापुरा स्टेशन पर गाड़ियों का हाल्ट, नागपुर-भुसावल-नागपुर सुपरफास्ट पैसेंजर को पुनः चालू, जनता एक्सप्रेस को पुनःबहाल करने के सुझाव दिए। डॉ0 लता वानखेड़े माननीय सांसद-सागर ने सिरोंज-शमशाबाद-लटेरी-कुरवाई नई रेल लाइन का सर्वे एवं स्वीकृति, बीना जंक्शन का तीव्र गति से विकास एवं आधुनिकीकरण, मंडी बामोरा रेलवे स्टेशन का विकास एवं बेंगलुरु एवं अन्य प्रमुख शहरों के लिए रेल कनेक्टिविटी करने के सुझाव दिए। श्री रोडमल नागर माननीय सांसद-राजगढ़ ने रामगंजमण्डी-×भोपाल रेल लाईन समय - सीमा में पूर्ण करने, अमृत भारत योजना के तहत ब्यावरा रेलवे स्टेशन के जंक्शन रूप में विकास, चाँचैडा बीनागंज स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19307/19308 इन्दौर ऊना हिमाचल का ठहराव के सुझाव दिए।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए शत-प्रतिशत हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान एवं सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करें

मैदानी अमले से नियमित संवाद से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में होगा सुधार: उप मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निवास कार्यालय भोपाल से टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह एवं निवाड़ी जिले में पदस्थ बॉन्डेड डॉक्टर्स से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की मैदानी स्थिति एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर (एमएमआर एवं आईएमआर) में कमी लाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसके लिए गर्भवती महिलाओं की नियमित एएनसी जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) की शत-प्रतिशत पहचान तथा जोखिम के अनुरूप उपयुक्त स्वास्थ्य संस्थान में समय रहते भर्ती एवं उपचार सुनिश्चित किया जाए। हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को प्रसव की संभावित तिथि से लगभग एक सप्ताह पूर्व उपयुक्त संस्थान में भर्ती कराने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। मैदानी अमले से संवाद और संवेदनशील व्यवहार जरूरी उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका है। आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों से नियमित संवाद करें। उनके अनुभवों और समस्याओं को समझें तथा अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि प्रोत्साहन के साथ-साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार भी अत्यंत आवश्यक है। मैदानी अमले को सक्रिय कर सूक्ष्म स्तर पर कार्य करने से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि समय का उचित प्रबंधन कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाए रखता है। इससे कार्यों की गुणवत्ता और परिणाम दोनों में सुधार होता है। उन्होंने चिकित्सकों को अपने दायित्वों का बेहतर नियोजन करने तथा सेवा के प्रति समर्पण और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 'प्रिवेंशन इज बेटर दैन क्योर' की अवधारणा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन किया जाए। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के माध्यम से एनसीडी सहित विभिन्न बीमारियों की समय रहते पहचान कर आवश्यक उपचार सुनिश्चित करें। आमजन को स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच, संतुलित खानपान एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने टेलीमेडिसिन सेवाओं का आवश्यकता के अनुसार प्रभावी उपयोग करने तथा मरीजों को अनावश्यक रूप से रेफर नहीं करने की बात कही। अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में ही उचित स्वास्थ्य संस्थान में रेफरल सुनिश्चित करें। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों में निर्धारित प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बीएमओ एवं सीएमएचओ को स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थानों में स्वच्छता, आवश्यक पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता तथा मरीजों को समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। संवाद के दौरान टीकमगढ़ जिले के पीएचसी बराना की डॉ. भूमि सक्सेना ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ का अच्छा सहयोग मिलता है तथा ग्रामीणजन स्वास्थ्य सेवाओं से संतुष्ट हैं और नियमित रूप से स्वास्थ्य केंद्र आते हैं। पीएचसी के डॉ. गगन सिंह ने भी अपने कार्यक्षेत्र में मिल रहे जनसहयोग एवं स्वास्थ्य सेवाओं के अनुभव साझा किए।

स्वामी **एक सत प्रयास जनकल्याण समिति** के लिए मुद्रक प्रकाशक एवं **सम्पादक अमित शर्मा** द्वारा 401, जीवन छाया अपार्टमेंट, राइट टाउन, जबलपुर (मप्र) पिन: 482004 से प्रकाशित एवं पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, औद्योगिक क्षेत्र, रिछाई, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482002 से मुद्रित। पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI-MPHIN/2019/78787, स्थानीय संपादक: विक्रम सिंह। E-mail:eksatbulletin@gmail.com, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9893311784